कोटद्वार, गुरूवार
5 फरवरी 2026
वर्षः 48
अंकः 253 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

मरीज से छेड़छाड़ करने का आरोपी डॉक्टर गिरफ्तार

रुड़की : लंढौरा क्षेत्र में इलाज के बहाने महिला मरीज से छेड़छाड़ करने वाले आरोपी डॉक्टर को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने लिखापढ़ी के बाद आरोपी का चालान कर दिया है। पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी डॉक्टर रिजवान को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। लंढौरा क्षेत्र के एक निवासी ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि 31 जनवरी को उनकी पुत्री डॉ. रिजवान के पास इलाज के लिए गई थी। आरोप है कि इलाज के दौरान डॉ. रिजवान ने युवती के साथ छेड़छाड़ करते हुए अश्लील हरकतें की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए मंगलौर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया था। पुलिस ने केस दर्ज करने के साथ ही आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए एक टीम का गठन किया था। (एजेंसी)

हादसे में स्कूटी सवार वृद्धा की मौत, दामाद घायल

रुद्रपुर। तेज रफ्तार सिलेंडर से लदे ट्रक ने बुधवार को एक स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी सवार वृद्धा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि स्कूटी चला रहा उसका दामाद घायल हो गया। पुलिस के अनुसार, वार्ड एक बलीनगर निवासी 65 वर्षीय बानो बेगम पत्नी नवी शाह बुधवार दोपहर सरकारी अस्पताल से दवा लेकर अपने दामाद के साथ स्कूटी से घर लौट रही थीं। जैसे ही वे महाराणा प्रताप चौक से चोरगलिया मार्ग की ओर जाने वाले रास्ते पर होटल श्री हरि के सामने पहुंचे, गैस सिलेंडरों से लदे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में बानो बेगम सड़क पर गिर पड़ीं और ट्रक उन्हें काफी दूर तक रौंदता चला गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं स्कूटी चला रहा दामाद घायल हो गया। सूचना पर पहुंचे उपनिरीक्षक ललित चौधरी, सिपाही चंद्र प्रकाश, तरुण चौधरी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महिला की मौत से परिजनों में कोहराम मचा है। एसआई ललित चौधरी ने बताया कि पुलिस ट्रक चालक की तलाश कर रही है।

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर व्यापारी से 28.85 लाख ठगे

रुद्रपुर। काशीपुर के एक व्यापारी से शेयर ट्रेडिंग के नाम पर साइबर ठगों ने 28 लाख 85 हजार रूपये की ठगी कर ली। पीड़ित की तहरीर पर साइबर क्राइम थाना पंतनगर में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। ओझान मोहल्ला काशीपुर निवासी एकांत जैन पुत्र रजत कुमार जैन ने तहरीर में बताया कि 11 दिसंबर 2025 को फेसबुक देखते समय उन्हें शेयर बाजार से जुड़ा एक विज्ञापन वीडियो दिखाई दिया। वीडियो में दिए गए लिंक पर क्लिक करने पर वह एक व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ गए। ग्रुप में कई मोबाइल नंबर एडमिन के रूप में जुड़े थे, जो रोजाना शेयर बाजार, आईपीओ और निवेश से संबंधित जानकारियां साझा करते थे। ग्रुप के अन्य सदस्य भी निवेश पर लाभ मिलने की बातें कर रहे थे, जिससे प्रभावित होकर उन्होंने निवेश करने का निर्णय लिया। कुछ दिनों बाद ग्रुप के एडमिन ने एक ट्रेडिंग एप डाउनलोड करने को कहा। भरोसा होने पर उन्होंने 10 दिसंबर 2025 को अपने बैंक खाते से 50 हजार रूपये यूपीआई के माध्यम से ट्रांसफर किए। इसके बाद आरोपियों के बताए अनुसार अलग–अलग तिथियों में विभिन्न यूपीआई आईडी और बैंक खातों में धनराशि भेजता गया। 10 दिसंबर 2025 से 13 जनवरी 2026 के बीच उन्होंने कुल 28 लाख 85 हजार रूपये जमा कर दिए। जब पीड़ित ने अपनी रकम निकालने का प्रयास किया तो साइबर ठगों ने लेनदेन रोक दिया और टालमटोल करते हुए उससे और रूपये की मांग करने लगे। तब व्यापारी को ठगी का अहसास हुआ। साइबर क्राइम थाना पंतनगर के प्रभारी अरुण कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

रात में ही मिला बच्चे का शव, गुलदार को पकड़ने के लिए लगाए तीन पिंजरे

रुद्रप्रयाग। जिला पंचायत सीट सारी के अंतर्गत सिंद्रवाणी गांव में बीते दिनों गुलदार पांच वर्षीय दक्ष को आंगन से उठा ले गया था। देर रात तक चले सर्च अभियान के बाद बच्चे का शव झाड़ियों से मिल गया। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना के बाद से गुलदार पकड़ने के लिए वन विभाग ने तीन पिंजरे लगाए और मचान भी बनाए जा रहे हैं। बुधवार को जिलाधिकारी प्रतीक जैन और डीएफओ गढ़वाल सहित कई अधिकारी और कर्मचारी बच्चे के गांव पहुंचे। उन्होंने बच्चे की मां से मुलाकात कर हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। सिंद्रवाणी गांव में मंगलवार शाम करीब 6 बजे आंगन में मां के सामने गुलदार दक्ष को उठा ले गया था। सूचना मिलते ही पहुंची वनविभाग की टीम ने ग्रामीणों ने रात में ही सर्च अभियान चलाया। वन विभाग के 20 कर्मी, डीडीआरएफ, एसडीआरएफ के 14 कर्मी, जिला प्रशासन के 6 कर्मी एवं पुलिस टीम सर्च अभियान में शामिल रहे। इसके बाद रात लगभग 11 बजे बच्चे का शव झाड़ियों से मिल गया। इसके बाद बुधवार सुबह जिलाधिकारी प्रतीक जैन, अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहे गढ़वाल के डीएफओ महात्म यादव, एसडीओ देवेंद्र पुंडीर, आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन रजवार समेत एसडीआरएफ, डीडीआरएफ की रेस्क्यू टीमें गांव पहुंचीं। डीएम और डीएफओ ने प्रभावित परिवार से मुलाकात की और हरसंभव मदद का भरोसा दिया। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य जयवर्धन काण्डपाल, कनिष्ठ प्रमुख सविता भंडारी, सामाजिक कार्यकर्ता मोहित डिमरी, सामाजिक कार्यकर्ता दीपक रावत ने परिवार को उचित मुआवजा व नौकरी देने और मकान को ठीक करवाने की मांग की।

एसआईआर विवाद : सुप्रीमकोर्ट पहुंची ममता बनर्जी

कहा– 'मुझे खुद अपना पक्ष रखने की इजाजत मिले, आयोग के खिलाफ नई याचिका दायर

नई दिल्ली ,पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने शीर्ष अदालत में एक और याचिका दायर करते हुए चुनाव आयोग को मतदाता सूची से नाम हटाने से रोकने की मांग की है। इतना ही नहीं, ममता बनर्जी ने अदालत से यह भी अपील की है कि उन्हें इस मामले में अपना पक्ष खुद रखने की अनुमति दी जाए।

मतदाताओं के अधिकार छिनने की आशंका

मुख्यमंत्री ने अपनी याचिका में सुप्रीम कोर्ट से एसआईआर प्रक्रिया को लेकर तुरंत निर्देश जारी करने की गुहार लगाई है। उन्होंने आशंका जताई है कि अनिवार्य सुनवाई, दस्तावेजों को खारिज करने और माइक्रो ऑब्जर्वर के इस्तेमाल जैसी प्रक्रियाओं के जरिए बड़े पैमाने पर लोगों के वोट देने का अधिकार छीना जा सकता है। उनका कहना है कि चुनाव आयोग ने आवेदन में मामूली गलतियों के आधार पर भी कई लोगों को नोटिस जारी किए हैं।

2022 की लिस्ट और दस्तावेजों पर जोर

नई याचिका में ममता बनर्जी ने यह सुनिश्चित करने की मांग की है कि साल 2022 की वोटर लिस्ट से किसी भी मतदाता का नाम न हटाया जाए और किसी भी नागरिक को मतदान के अधिकार से वंचित न किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने आग्रह किया है कि आधार कार्ड, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, पंचायत निवास प्रमाण पत्र, परिवार रजिस्टर, सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना डेटा और जमीन या घर आवंटन के प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेजों को चुनाव आयोग द्वारा वैध माना जाए और स्वीकार किया जाए।

'मैं कोर्ट का अनुशासन जानती हूं

सबसे अहम बात यह है कि ममता बनर्जी ने याचिका में अपना पक्ष खुद रखने की इजाजत मांगी है। उन्होंने तर्क दिया कि एक राज्य की मुख्यमंत्री और टीएमसी की चेयरपर्सन होने के नाते उन्हें इस केस के तथ्यों और हालातों की पूरी जानकारी है।

आचार्यकुलम विश्व का विशिष्ट शिक्षण संस्थान: योगगुरु

हरिद्वार। योगगुरु स्वामी रामदेव ने कहा कि आचार्यकुलम विश्व का विशिष्ट शिक्षण संस्थान है। जहां योग और अध्यात्म से प्राप्त संस्कारों से विद्यार्थी का नित्य शिखर आरोहण होता है। यह बात योगगुरु ने विद्यार्थियों के दीक्षारोहण के दौरान कहीं। बुधवार को आचार्यकुलम शिक्षण संस्थान का दीक्षारोहण संपन्न हुआ। योगगुरु स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने कक्षा 12 वीं के 49 बालकों और 41 बालिकाओं सहित कुल 90 विद्यार्थियों का दीक्षारोहण किया। समारोह में मंत्रोच्चार के मध्य योगगुरु ने सभी क्रियाविधि की व्याख्या की। विद्यार्थियों ने महाज्ञान ज्योति से अपने दीपों को ज्योतिर्मय कर दीक्षारोहण की प्रतिज्ञा ली। साथ ही आचार्यकुलम से प्राप्त शिक्षा व संस्कारों को सर्वत्र प्रसारित करने का संकल्प लिया। आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि दीक्षारोहण का पावन उत्सव सकारात्मकता व पुरुषार्थ का संवाहक है। दीक्षा प्राप्त विद्यार्थियों को योग व यज्ञ के अनुशासन का सदैव पालन करना चाहिए। इस मौके पर डॉ. ऋतंभरा शास्त्री, प्राचार्या स्वाति मुंशी, डॉ. एनपी सिंह, आशु, पारुल, जयदीप आर्य, राकेश मित्तल रवि पंडित, अनिल यादव, प्रदीप, तापस, अमित व दीपा आदि मौजूद रहे।

घायल यात्रियों का हाल पूछने दून अस्पताल पहुंचे मुख्यमंत्री धामी

क्वानू–मीनस मोटर मार्ग दुर्घटना में घायल हुए थे यात्री

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कालसी क्षेत्र अंतर्गत क्वानू-मीनस मोटर मार्ग पर हिमाचल परिवहन निगम की बस दुर्घटना में घायल हुए हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड के यात्रियों का हाल-चाल जानने के लिए राजकीय दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल का दौरा किया। मुख्यमंत्री ने हिमाचल प्रदेश सरकार को भी आश्वस्त किया कि उत्तराखंड में उपचाराधीन हिमाचल के सभी घायल यात्रियों का समुचित एवं निःशुल्क उपचार राज्य सरकार द्वारा सुनिश्चित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने दुर्घटना में दिवंगत हुए लोगों के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने अस्पताल में भर्ती घायलों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना तथा चिकित्सकों से उपचार की स्थिति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने चिकित्सकीय टीम को सभी घायलों को सर्वोत्तम एवं त्वरित उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने घायलों के परिजनों से भी बातचीत कर उन्हें विश्वास दिलाया कि राज्य सरकार द्वारा उपचार में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी तथा सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विकासनगर के उप जिला चिकित्साधिकारी से दूरभाष पर विकासनगर में उपचाराधीन दुर्घटना के घायलों को भी समुचित एवं संवेदनशील चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

सनातन धर्म का मूल स्वर संघर्ष नहीं बल्कि समन्वय हैः रामनाथ कोविंद

हरिद्वार। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि सनातन धर्म का मूल स्वर संघर्ष नहीं बल्कि समन्वय है। विविधता में एकता नारा नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति का स्वभाव है। जहां समन्वय है वहां दीर्घकालिक निरंतरता है। हमें धर्म को समाज और अध्यात्म को राष्ट्र से जोड़ने का संकल्प लेना होगा। अध्यात्म को समन्वय से चलाएं। स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी ने हमें सिखाया है कि समाज में समन्वय बेहद आवश्यक है।

उनका चिंतन वेदांत की गहराइयों से निकला था। वह एक ही संगम की धारा के तीन रूप थे। उनके द्वारा किए गए गए कार्य ने राष्ट्र को सभ्यता के रूप में प्रतिष्ठित किया। यह बात उन्होंने ब्रह्मलीन स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी के श्रीविग्रह स्थापना समारोह में पहले दिन मंच से कही। ब्रह्मलीन स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद कहा कि उन्हें पूज्य गुरुदेव की समाधि और उनके द्वारा स्थापित भारत माता मंदिर में दीप जलाने और आरती करने का सौभाग्य मिला है। स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी महाराज अनेक मतों, पंथों और संस्थाओं के बीच संवाद और समरसता के प्रबल सेतु हैं। भारत माता मंदिर का निर्माण सर्वधर्म समभाव से हुआ था। संन्यासी होने के साथ स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी राष्ट्रचेतना के साधक थे।

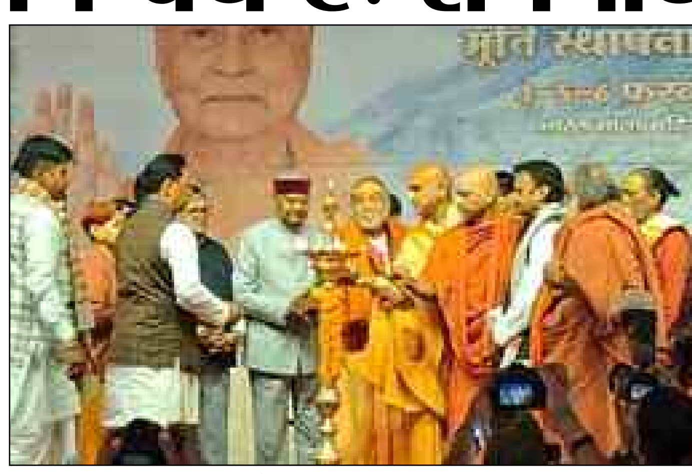

यह आयोजन तभी सार्थक होगा जब हमारा संकल्प जागे। जगद्गुरु शंकराचार्य राजराजेश्वराश्रम महाराज ने कहा कि वह खुद को समन्वय सेवा ट्रस्ट का सदस्य मानते हैं। यहां वास्तव में सबका समन्वय दिखता है। समन्वय ही समस्त राष्ट्र का आधार है। संत की समाधियों पर मेले और पुष्प चढ़ते हैं। राजा–महाराजाओं की समाधि पर बुलडोजर भी चल सकता है। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सत्यमित्रानंद सनातन धर्म के अग्रणी संत थे। उन्होंने विदेशों में भी धर्म का प्रचार किया। सम्पूर्ण विश्व में सनातन धर्म ही सबसे पुरातन धर्म है। ऐसे धर्म को आगे बढ़ाने वाले संत को वह प्रणाम करते हैं। इससे पूर्व पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने उत्तरी हरिद्वार में भारत माता मंदिर के संस्थापक ब्रह्मलीन स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी के तीन दिवसीय श्रीविग्रह मूर्ति स्थापना समारोह का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, मध्य प्रदेश के डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला, जगद्गुरु शंकराचार्य राजराजेश्वराश्रम महाराज, जूना पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी, अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष एवं भारत माता मंदिर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष स्वामी गोविंद गिरी देव, महामंडलेश्वर हरिचेतनानंद गिरी और महामंडलेश्वर ललितानंद गिरी समेत कई लोगों ने शिरकत की।

गोपालगंज : दो साल पुराने पुजारी हत्याकांड में तीन दोषियों को उम्रकैद

गोपालगंज , बिहार के गोपालगंज जिले के मांझा थाना क्षेत्र के दानापुर गांव में दिसंबर 2013 में हुए चर्चित पुजारी हत्या मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश–नवम राकेश रंजन सिंह की अदालत ने इस सनसनीखेज वारदात में तीन अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही प्रत्येक दोषी पर 50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। अगर जुर्माना नहीं चुकाया गया तो दोषियों को दो साल की अतिरिक्त सजा भी भुगतनी होगी। यह मामला दानेश्वर नाथ मंदिर के पुजारी मनोज साह से जुड़ा है। 10 दिसंबर 2023 को पुजारी अचानक लापता हो गए थे। शुरुआत में यह गुमशुदगी का मामला लग रहा था, लेकिन 16 दिसंबर को उनका शव दानापुर के पास एक जगह से बरामद हुआ। जांच में सामने आया कि हत्या प्रेम प्रसंग से जुड़ी थी। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य, कॉल डिटेल्स, गवाहों के बयान और परिस्थितिजन्य प्रमाणों के आधार पर जांच की। जांच से पता चला कि पुजारी का एक महिला के साथ प्रेम संबंध था, जिसके चलते विवाद बढ़ गया। महिला ने अन्य लोगों के साथ मिलकर सुनियोजित तरीके से हत्या की और शव को छिपाने की कोशिश की। पुलिस ने दानापुर गांव के अमित कुमार, नेहा कुमारी और सुनीता देवी को गिरफ्तार किया। आरोप पत्र दाखिल होने के बाद लंबी सुनवाई चली। अदालत ने साक्ष्यों को देखते हुए तीनों को दोषी माना।

कर्नाटक शराब घोटाला :

भाजपा—जेडीएस विधायकों ने विधानसभा में गुजारी रात

बेंगलुरु ,भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल–सेक्युलर (जेडीएस) के विधायकों ने कथित शराब घोटाले को लेकर आबकारी मंत्री आरबी थिम्मापुर के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए कर्नाटक विधानसभा में रात गुजारी। बुधवार सुबह भी भाजपा–जेडीएस विधायकों का प्रदर्शन जारी रहा। कर्नाटक भाजपा के अध्यक्ष व विधायक बीवाई विजयेंद्र और विपक्ष के नेता आर. अशोक समेत कई विधायक विधानसभा परिसर में मॉर्निंग वॉक करते हुए नजर आए। बाद में सभी विधायक एक जगह इकट्ठा हुए, चाय पी और आगे की कार्रवाई पर चर्चा की। कुछ देर बाद विरोध प्रदर्शन फिर से शुरू हुआ, जिसमें भाजपा और जेडीएस के विधायक विधानसभा के प्रवेश द्वार की सीढ़ियों पर बैठ गए और एक्साइज मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए नारे लगाए। उन्होंने गाने भी गाए और भारत माता की जय के नारे लगाए।भाजपा विधायक चन्नाबसप्पा ने एक भक्ति गीत भी गाया।

विजयेंद्र, अशोक और विधानसभा में विपक्ष के उपनेता अरविंद बेल्लाड समेत अन्य विधायक भी उनके साथ शामिल हुए। कथित शराब घोटाले के केस में भाजपा–जेडीएस के विधायक राज्य के आबकारी मंत्री आरबी थिम्मापुर का इस्तीफा मांग रहे हैं। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने दावा किया कि कर्नाटक के इतिहास में पहली बार शराब एसोसिएशन ने खुद एक्साइज डिपार्टमेंट में 6,000 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगाया है।

पीएम मोदी ने शेयर किया संस्कृत सुभाषित, हंसी को बताया सबसे अच्छी दवा

नई दिल्ली ,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को प्राचीन ज्ञान पर आधारित एक प्रेरणादायक संदेश देशवासियों के साथ शेयर किया, जिसमें उन्होंने हंसी को सबसे अच्छी दवा बताया और इसके महत्व का जिक्रकिया। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सुभाषित शेयर करते हुए लिखा, औषधेष्वपि सर्वेषु हास्यं श्रेष्ठं वदन्ति ह। स्वाधीनं सुलभं चैवारोग्यानन्दविवर्धनम्।। इस सुभाषित का संदेश है, कहा गया है कि सभी औषधियों में निश्चय ही हंसना श्रेष्ठ औषधि है, क्योंकि यह आसानी से बिना मूल्य के उपलब्ध हो जाती है व स्वास्थ्य और आनंद की वृद्धि करती है। अतः मुस्कुराते रहें। 53 सेकेंड के वीडियो में इस संस्कृत सुभाषित का हिंदी और अंग्रेजी में अर्थ बताया गया है।

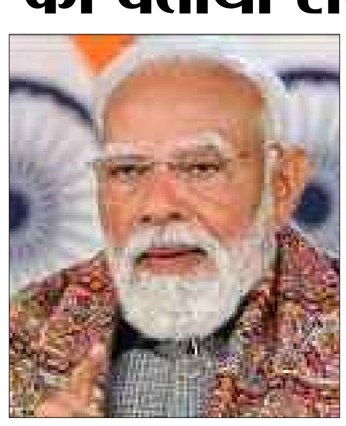

प्रधानमंत्री मोदी ने दिसंबर 2025 से भारतीय परंपरा के कालजयी ज्ञान को आधुनिक नीति और जन–संवाद से जोड़ने के लिए समय–समय पर संस्कृत सुभाषित (प्रेरणादायक श्लोक) शेयर करना शुरू किया है। वे अक्सर अपने भाषणों, मन की बात और सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से संस्कृत सुभाषित शेयर करते हैं। संस्कृत सुभाषितों को सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत करके प्रधानमंत्री मोदी समकालीन शासन को भारत की सभ्यतागत ज्ञान से सचेत रूप से जोड़ रहे हैं और प्राचीन श्लोकों का उपयोग विकास, स्थिरता, लैंगिक न्याय, नैतिक नेतृत्व और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व जैसी आधुनिक प्राथमिकताओं को समझाने के लिए कर रहे हैं। पीएम मोदी ने 8 दिसंबर को भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जीवन में संस्कृत की स्थायी प्रासंगिकता को रेखांकित किया। इसके साथ ही दूरदर्शन के सुप्रभातम कार्यक्रम में इसके दैनिक प्रसारण का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रत्येक सुबह इस कार्यक्रम में संस्कृत सुभाषित (ज्ञानपूर्ण उक्ति) प्रस्तुत की जाती है, जो मूल्यों और संस्कृति को एक साथ पिरोती है।

ट्रेन की चपेट में आकर 22 वर्षीय युवक की मौत

रुड़की। ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अभी परिजनों की ओर से घटना की बाबत तहरीर नहीं दी गई है। कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक लोकपाल परमार ने बताया कि मंगलवार की देररात जानकारी मिली कि खड़ंजाकुतुबपुर गांव निवासी मुस्तकीम का 22 वर्षीय बेटा रशीद ट्रेन की चपेट में आ गया है। इससे उसकी मृत्यु हो गई है। सूचना पाकर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद पुलिस ने घटना की जानकारी उनके परिवार वालों को दी। जानकारी मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंच गए। बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभी घटना की बाबत तहरीर नहीं मिली है।

अमेरिका से ट्रेड डील ऐतिहासिक, किसानों को कोई नुकसान नहीं

हंगामे के बीच लोकसभा में बोले पीयूष गोयल

नई दिल्ली ,अमेरिका के साथ ट्रेड डील में भारत अपने संवेदनशील क्षेत्रों, विशेषकर कृषि और दुग्ध क्षेत्रों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने में सफल रहा है। यह जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा संसद में दी गई।

केंद्रीय मंत्री ने संसद को बताया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फरवरी 2025 में अमेरिका यात्रा के बाद, भारत और अमेरिका एक संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते को संपन्न करने के उद्देश्य से नियमित रूप से चर्चा करते रहे हैं।

इस दौरान दोनों पक्षों के अपने–अपने संवेदनशील पक्ष रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, बातचीत के दौरान, भारतीय पक्ष अपने संवेदनशील क्षेत्रों, विशेषकर कृषि और दुग्ध क्षेत्रों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने में सफल रहा है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारत–अमेरिका करीब एक

वर्ष तक बातचीत करने के बाद द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में सफल रहे हैं। 2 फरवरी, 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फोन पर द्विपक्षीय और कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बातचीत की है। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका को किए जाने वाले भारतीय निर्यात पर टैरिफ की दर को घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि यह अमेरिका द्वारा कई प्रतिस्पर्धी देशों पर लगाए गए टैरिफ से कम है, जिससे अमेरिकी बाजार में भारतीय निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में काफी वृद्धि होगी। गोयल ने संसद को बताया कि इस समझौते से एमएसएमई, उद्यमियों, कुशल श्रमिकों और उद्योगों के लिए नए अवसर खुलेंगे। साथ ही, एडवांस टेक्नोलॉजी तक पहुंच सुनिश्चित होगी। यह समझौता दुनिया के लिए भारत में बनाओ, दुनिया के लिए भारत में डिजाइन करो और दुनिया के लिए भारत में इनोवेट करो के दृष्टिकोण को साकार करेगी। उन्होंने आगे बताया कि यह ऐतिहासिक समझौता भारत–अमेरिका संबंधों को मजबूत करने और विकसित भारत 2047 की दिशा में हमारी यात्रा को आगे बढ़ाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है।

मनसा देवी की भूस्खलन प्रभावित पहाड़ियों का अध्ययन

देश–विदेश के वैज्ञानिकों ने किया निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : उत्तराखण्ड भूस्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केंद्र द्वारा हिंदू कुश-हिमालय क्षेत्र में आपदा-सक्षम विकास विषय पर आयोजित किए जा रहे पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत देश-विदेश के भूवैज्ञानिकों ने बुधवार को फील्ड विजिट कार्यक्रम के तहत हरिद्वार स्थित मानसा देवी की पहाड़ियों के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र का अध्ययन किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 02 फरवरी से 06 फरवरी 2026 तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण एवं वित्तीय प्रशासन अनुसंधान संस्थान, सुद्धोवाला, देहरादून में उत्तराखंड भूस्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केंद्र, विश्व बैंक तथा नॉर्वेजियन जियोटेक्निकल इंस्टिट्यूट के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। प्रतिभागियों द्वारा

मानसा देवी क्षेत्र में भूस्खलन के उपचार और जोखिम न्यूनीकरण को लेकर विस्तार से मंथन किया गया। इस अवसर पर प्रतिभागियों ने वर्तमान में जारी ढाल स्थिरीकरण, भू-अन्वेषण, ड्रिलिंग तथा अन्य तकनीकी कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया और इन कार्यों की प्रगति एवं प्रभावशीलता को समझा। विशेषज्ञों के साथ हुई चर्चाओं में यह बताया गया कि किस प्रकार मौजूदा उपचारात्मक कार्य भूस्खलन के खतरे को कम करने में सहायक हैं तथा आगे किन अतिरिक्त उपायों को अपनाने की आवश्यकता है। साथ ही, दीर्घकालिक दृष्टिकोण से क्षेत्र को सुरक्षित बनाने के लिए वैज्ञानिक, व्यवहारिक एवं स्थल-विशिष्ट उपचार रणनीतियों पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर मनसा देवी की पहाड़ियों के भूस्खलन क्षेत्र की भू-आकृतिक संरचना, ढाल स्थिरता की वर्तमान स्थिति, भूमि उपयोग पैटर्न, जल निकासी व्यवस्था, प्राकृतिक एवं मानवीय प्रेरक कारकों तथा मौजूदा ढाल स्थिरीकरण एवं सुरक्षा उपायों का गहन अवलोकन किया गया। विशेषज्ञों के साथ हुई चर्चाओं में यह स्पष्ट किया गया कि इस प्रकार के स्थल-विशिष्ट क्षेत्रीय अध्ययन किस प्रकार प्रभावी भूस्खलन न्यूनीकरण उपायों, जैसे ढाल स्थिरीकरण कार्य, जल निकासी सुधार, निगरानी एवं चेतावनी प्रणालियों तथा दीर्घकालिक जोखिम न्यूनीकरण रणनीति की योजना एवं डिजाइन में सहायक होते हैं। नेपाल एवं भूटान से आए अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों की सक्रिय सहभागिता ने भूस्खलन जोखिम प्रबंधन में बहु–एजेंसी एवं अंतर–देशीय सहयोग के महत्व को और अधिक रेखांकित किया।

रोहित शेट्टी की सुरक्षा बढ़ाई

मुंबई ,फिल्म मेकर रोहित शेट्टी के जुहू स्थित घर पर फायरिंग मामले को लेकर मुंबई पुलिस और क्राइम ब्रांच अलर्ट मोड पर है। बिश्नोई गैंग द्वारा की गई फायरिंग के मामले में मुंबई पुलिस ने रोहित शेट्टी की सुरक्षा बढ़ा दी है। पहले उनके घर पर सिर्फ दो पुलिसकर्मी तैनात थे, लेकिन अब सुरक्षा में इजाफा किया गया है। रोहित शेट्टी के घर के आसपास और उनकी निजी सुरक्षा में अतिरिक्त जवान लगाए गए हैं। इसके साथ ही क्राइम ब्रांच की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है कि फायरिंग के लिए शूटर ने अत्याधुनिक कंट्री मेड हथियार का इस्तेमाल किया। इस हथियार से 7.62 एमएम की पांच बुलेट चलाई गईं। पुलिस अब जांच कर रही है कि यह 7.62म51 एनएटीओ या 7.62म39 एमएम वाली बुलेट थी, जो राइफल और मशीनगन में इस्तेमाल होती हैं।

राहुल गांधी ने रवनीत बिट्टू को बताया गद्दार

नई दिल्ली , संसद परिसर में बुधवार को कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बीच तीखी बहस देखने को मिली। दोनों नेताओं के बीच यह टकराव उस समय हुआ जब कांग्रेस सांसद संसद के मकर द्वार पर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू वहां से गुजर रहे थे, तो राहुल गांधी ने उन्हें कथित तौर पर गद्दार कहकर संबोधित किया। इसके बाद राहुल गांधी ने उनसे हाथ मिलाने की कोशिश करते हुए कहा, नमस्ते भाई, मेरे गद्दार दोस्त। चिंता मत करो, तुम वापस कांग्रेस में आ जाओगे। राहुल गांधी की इस टिप्पणी पर रवनीत सिंह बिट्टू ने कड़ी प्रतिक्रिया दी और हाथ मिलाने से इनकार करते हुए कहा कि राहुल गांधी देश के दुश्मन हैं।

सम्पादकीय

मदरसा बोर्ड अब बीती बात

उत्तराखंड की धामी सरकार ने एक और बड़ा फैसला लेते हुए यह स्पष्ट कर दिया है कि प्रदेश में बच्चों की शिक्षा को लेकर फिर चाहे वह किसी भी धर्म के क्यों ना हो सरकार महत्वपूर्ण कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगी। राज्य सरकार ने इस बार राज्यपाल की मंजूरी के बाद मदरसा बोर्ड को समाप्त कर दिया है। इसके स्थान पर अब "उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण" का गठन किया गया है। बकायदा इस संबंध सरकार की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गई। प्राधिकरण के ढांचे को समझे तो इस प्राधिकरण में अध्यक्ष समेत कुल 11 सदस्यों की नियुक्ति की गई है। जग जाहिर है कि मदरसे में जिस प्रकार की शिक्षा छात्रों को दी जाती है वह उनके भविष्य के लिए पर्याप्त नहीं है। साथ ही मदरसा बोर्ड का कोई औचित्य भी नहीं है जब पहले से ही राज्य स्तर पर बोर्ड संचालित है। उत्तराखंड सरकार का यह कदम शिक्षा में एकरूपता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। प्राधिकरण के लिए जिम्मेदारियां भी तय कर दी गई है जिसमें अध्यक्ष के अलावा शिक्षा और प्रशासनिक क्षेत्र से जुड़े कई अनुभवी लोगों को सदस्य के तौर पर शामिल किया गया है। निश्चित तौर पर अनुभवी टीम के नेतृत्व में यह प्राधिकरण अल्पसंख्यक शिक्षा को नई दिशा देगा। इस महत्वपूर्ण फैसले को लागू करने से पहले पिछले विधानसभा सत्र में मदरसा बोर्ड को खत्म करने का विधेयक पास किया गया था। अब उसी के तहत यह नया प्राधिकरण बनाया गया है। यह प्राधिकरण मदरसा समेत सभी अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों के संचालन, शिक्षा के स्वरूप और सिलेबस को तय करेगा। यानी अब शिक्षा से जुड़े फैसले एक ही मंच से लिए जाएंगे। उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के तहत सभी अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को लाया जाएगा। इन संस्थानों को उत्तराखंड बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन से मान्यता लेनी होगी। सरकार के अनुसार, यह नई व्यवस्था एक जुलाई 2026 से पूरी तरह लागू हो जाएगी। मदरसा बोर्ड से शिक्षा ग्रहण करने वाले अल्पसंख्यक बच्चों को दी जाने वाली शिक्षा का स्वरूप प्राधिकरण तय करेगा। सिलेबस आधुनिक होगा और शिक्षा की गुणवत्ता पर खास ध्यान दिया जाएगा। आज जरूरत है हर वर्ग के बच्चों को समाज की धारा के साथ सभी प्रकार की जानकारियां उपलब्ध कराने की जिसके लिए एक उन्नत शिक्षा तकनीक का होना जरूरी है। सरकार का यह कदम अपलसंख्यक बच्चों के भविष्य को मजबूत बनाने और उन्हें मुख्यधारा की शिक्षा से तो जोड़गा ही साथ ही उनमें आत्मनिर्भरता एवं दूसरे वर्ग के छात्रों के साथ प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए भी मददगार साबित होगा।

शिक्षक अब पाठ्येत्तर कार्यों के लिए हैं

अजीत द्विवेदी

शिक्षक का मूल कार्य अध्ययन और अध्यापन है। भारत के सरकारी स्कूलों के शिक्षक अध्ययन का काम पहले ही काफी हद तक छोड़ चुके थे और अब अध्यापन का काम भी नाममात्र का रह गया है। शिक्षक अब स्कूलों में पढ़ाने के लिए नहीं हैं, बल्कि पाठ्येत्तर कार्यों के लिए हैं। उनके ऊपर इतने कामों की जिम्मेदारी लाद दी गई है कि वे बच्चों को पढ़ाने के लिए समय नहीं निकाल पा रहे हैं। सरकारी स्कूलों की शिक्षा का स्तर लगातार कम होता जा रहा है तो इसका एकमात्र कारण यह नहीं है कि शिक्षक अच्छे नहीं हैं या शिक्षकों के प्रशिक्षण की अच्छी व्यवस्था नहीं है। वह कई कारणों में से एक कारण है। असल में सरकारी स्कूलों की कार्यों की सूची में अध्यापन का कार्य प्राथमिकता में नहीं है।

उन्हें स्कूल से बाहर और स्कूल में भी कई दूसरे काम करने हैं, जिनका पढ़ाई–लिखाई से कोई मतलब नहीं है। जैसे अभी 12 राज्यों और केंद्र शासित राज्यों के शिक्षक मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के काम में लगे हैं। कुछ राज्यों के शिक्षक स्थानीय निकायों के चुनाव करा रहे हैं। इस साल और अगले साल दो चरणों में जनगणना का काम होगा और शिक्षक उसमें लगा दिए जाएंगे। पांच राज्यों के चुनाव भी हैं तो मतदान कराने से लेकर मतगणना तक उन राज्यों के सरकारी शिक्षक उसमें व्यस्त हो जाएंगे। वैसे उन राज्यों के स्कूल भी चुनाव के लिए आरक्षित होंगे। कहीं सुरक्षा बलों को ठहराया जाएगा तो कहीं मतदान केंद्र बनेंगे तो कहीं मतगणना केंद्र बनाए जाएंगे।

मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण या संक्षिप्त पुनरीक्षण या मतदान और मतगणना या जनगणना जैसे कामों की सूची बेहद लंबी है, जो शिक्षकों को करना होता है। एक अनुमान के मुताबिक अध्ययन और अध्यापन के अलावा शिक्षकों को स्कूल के बाहर डेढ़ दर्जन किस्म के अन्य सरकारी काम करने होते हैं। एक शिक्षक ने तंज करते हुए सोशल मीडिया में लिखा था कि अच्छा है कि सरकार खेती नहीं कराती है अन्यथा बुवाई, कटाई का काम भी शिक्षकों को करना होता।

बहरहाल, सरकार परिवार और स्वास्थ्य का सर्वे करती है तो वह काम शिक्षक करते हैं, सरकार पशुओं की गिनती कराती है तो वह काम शिक्षक करते हैं, सरकार किसी आपदा की स्थिति में राहत सामग्री बांटती है तो वह काम भी शिक्षकों के जिम्मे होता है, किसी बीमारी या टीके के लिए जागरूकता फैलानी है तो उसका जिम्मा भी शिक्षकों के ऊपर होता है, सफाई अभियान चलाना है तो उसमें शिक्षकों को आगे किया जाता है, यहां तक कि सत्तापक्ष के किसी बड़े नेता की रैली होती है तो उसमें भी शिक्षकों को बस में भर कर रैली में जाना होता है। केंद्र और राज्य सरकारों के अलावा जिले के कलेक्टर, प्रखंड के बीडीओ और पंचायत के मुखिया भी शिक्षकों को किसी न किसी काम में लगाए रहते हैं।

स्कूल के बाहर शिक्षकों को जो डेढ़ दर्जन अलग अलग किस्म के काम करने होते हैं उसके बाद ऐसा नहीं है कि बचे हुए समय में उनको स्कूल में बच्चों को पढ़ाना है। स्कूल में उनको डेढ़ दर्जन अलग किस्म के काम करने हैं, जो अध्ययन और अध्यापन से इतर हैं। मिसाल के तौर पर मिड डे मील तैयार करना एक काम होता है। एक से ज्यादा शिक्षक तो इसी में लगे रहते हैं। राशन खरीदने से लेकर खाना तैयार कराना और बच्चों को खिलाना स्कूलों में प्राथमिकता का काम है। जब से सरकार को लगने लगा है कि मास्टर लोग राशन में गड़बड़ी

करते हैं तब से गड़बड़ी नहीं होने के सबूत जुटाना यानी हर चीज का हिसाब रखना, वीडियो आदि बनाना, डैशबोर्ड पर अपलोड करना भी शिक्षकों का जिम्मा हो गया है।एक समय सरकार को लगा कि बच्चे सिर्फ खाने आते हैं या बच्चों की असली संख्या कम होता है और ज्यादा बच्चों के लिए खाना बनाने के नाम पर पैसे की गड़बड़ी होती है तब से शिक्षकों को यह काम भी दिया गया कि वे मिड डे मील खाने वाले बच्चों का फेशियल रिकग्निशन करें और उनकी वीडियो तैयार करें ताकि पुष्टि हो सके कि जिस बच्चे का नाम रॉल में है उसने स्कूल में खाना खाया। सो, मिड डे मील का मामला अब राशन खरीदने, खाना बनवाने और खिलाने के काम से काफी आगे बढ़ गया है। इस बीच तमिलनाडु सहित 12 राज्यों ने प्रस्ताव दिया है कि अगर स्कूलों में बच्चों को सुबह का नाश्ता भी दिया जाए तो उनका बेहतर पोषण होगा, उपस्थिति बढ़ेगी और पढ़ाई में उनका मन भी लगेगा। केंद्र सरकार इस पर विचार कर रही है। केंद्र और राज्य सरकारों को इसे भी लागू कर ही देना चाहिए ताकि शिक्षकों को पढ़ाने के काम से पूरी तरह से मुक्ति मिल जाए।

ऐसा नहीं है कि इतने पर भी शिक्षकों की जिम्मेदारी समाप्त हो जाती है। उन्हें और भी कई काम करने होते हैं। मान लीजिए कि शिक्षा मंत्री शिक्षा से जुड़े किसी कार्यक्रम को संबोधित करते हैं तो स्कूलों से कहा जाता है कि उनका भाषण बच्चों को सुनाया जाए ताकि वे 'लाभान्वितइ हो सकें। केंद्रीय विद्यालयों में केंद्रीय शिक्षा मंत्री का भाषण सुनाया जाता है तो राज्यों के स्कूलों में राज्य के शिक्षा मंत्री का भाषण सुनाया जाता है। प्रधानमंत्री का भाषण तो सभी स्कूलों में सुनाया जाता है। भाषण सुनाने की व्यवस्था करने में कम से कम दो कक्षाएं प्रभावित होती हैं। लेकिन इतने पर काम खत्म नहीं होता है।भाषण सुनते बच्चों की वीडिया बना कर उनको ऊपर भेजना होता है और किसी निर्धारित पोर्टल पर अपलोड भी करना होता है। यह काम हर सरकारी फंक्शन के बाद करना होता है। राष्ट्रीय दिवस का कार्यक्रम हो या नवाचार के नाम पर शुरू की गई किसी पहल का कार्यक्रम हो। उसे आयोजित करना, उसकी वीडियो बनाना और उसे अपलोड करना शिक्षकों की जिम्मेदारी होती है। शिक्षकों को इवेंट मैनेजर बना दिया गया है। उनको कार्यक्रम आयोजित करने, उसे सफल बनाने और उसके वीडियो अपलोड करने से फुरसत नहीं मिलती है। ग्रामीण और छोटे कस्बों में तो ज्यादातर स्कूल दो या तीन शिक्षकों के साथ चलते हैं। उन स्कूलों में तो शिक्षकों को पढ़ाने की फुरसत कभी नहीं मिल पाती है।

एनसीईआरटी के निदेशक रहे देश के जाने माने शिक्षाविद् प्रोफेसर कृष्ण कुमार ने दो महीने पहले 'एक अंग्रेजी अखबारइ में एक लेख लिखा था, जिसका शीर्षक था 'इन इंडिया, व्हाई टीचर्स आर वॉकिंग अवे फ्रॉम द क्लासरूमइ। इसमें उन्होंने यूनेस्को की एक रिपोर्ट का हवाला दिया था, जिसका टाइटल 'व्हेअर हैव ऑल द टीचर्स गॉनइ था। इसमें यूनेस्को ने दुनिया भर में उभर रहे एक ट्रेंड का हवाला दिया था। दुनिया भर के देशों में पिछले दो दशक में अलग अलग कारणों से शिक्षक अपनी नौकरी छोड़ रहे हैं। ऐसा नहीं है कि दूसरी नौकरी मिलने पर वे शिक्षक की नौकरी छोड़ रही हैं। वे स्कूलों में नौकरी करने की बजाय बेरोजगारी और अनिश्चितता का भविष्य चुन रहे हैं। यह बहुत भयावह ट्रेंड है। ऐसा करने के कई कारणों में एक कारण स्कूलों में बच्चों का बदलता व्यवहार भी है।

अच्छे शिक्षकों के लिए अब बच्चों को स्कूलों में हैंडल करना दिन प्रतिदिन मुश्किल होता जा रहा है। एक कारण स्कूलों की दशा भी है। लेकिन एक बड़ा कारण नौकरशाही है, जिसका ऊपर जिक्र किया गया है। शिक्षकों को पढ़ाने से ज्यादा प्रबंधन के काम में लगा दिया गया है। उन्हें कार्यक्रम आयोजित करने हैं, कार्यक्रमों की वीडियो बनानी है, उन्हें सरकारी पोर्टल पर अपलोड करना है, अलग अलग कार्यों की रिपोर्ट तैयार करनी है, उस रिपोर्ट को सरकारी दफ्तरों में भेजना है, नेताओं व अधिकारियों के भाषण सुनने हैं, उन भाषणों में कही गई उलजुलूल बातों को स्कूल में बच्चों को बताना है, इन सब कारणों से अच्छे शिक्षकों का मोहभंग हो रहा है। वे स्कूल छोड़ रहे हैं। जो बचे रह जा रहे हैं वे अध्ययन या अध्यापन का काम नहीं कर रहे हैं, बल्कि नौकरी कर रहे हैं।

शिक्षकों को क्लर्क या मैनेजर बना दिया गया है। उन्हें बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के तरीके खोजने के लिए प्रेरित नहीं किया जाता है। उन्हें बच्चों में रचनात्मकता लाने के लिए प्रेरित नहीं किया जाता है। उन्हें बच्चों के समग्र विकास पर ध्यान देने की बजाय प्रबंधकीय कार्यों में लगाया जाता है। उनको मजबूर किया जाता है कि वे प्रबंधकीय कार्यों का सबूत इकट्ठा करें नहीं तो उनके खिलाफ कार्रवाई हो जाती है। उन्हें बच्चों को पढ़ाने और जीवन संघर्षों के लिए तैयार करने की बजाय इस पर ज्यादा ध्यान देना होता है कि डैशबोर्ड पर बने चेक लिस्ट में कितने खानों में सही का निशान लगा है। उससे उसकी परफॉर्मेंस रिपोर्ट तैयार होती है। सरकारों द्वारा तैयार कराए गए डिजिटल रिसोर्स यूज करने का दबाव शिक्षकों पर होता है। अगर कोई शिक्षक अपनी रचनात्मकता दिखाना चाहे तो उसके लिए कोई स्पेस नहीं होता है। इससे अच्छे शिक्षकों में फ्रस्ट्रेशन बढ़ रही है और वे नौकरी छोड़ रहे हैं तो बाकी शिक्षक की नौकरी कर रहे हैं। दोनों ही स्थितियों में नुकसान बच्चों का है।

भारत को तुर्की से सीखना चाहिए

हरिशंकर व्यास

भारत के सामने एक मॉडल तुर्किए का है, जिसने न सिर्फ अपने को अपनी हथियार जरुरतों में आत्मनिर्भर बनाया है, बल्कि दुनिया के अनेक देशों को ड्रोन सहित अपने हथियार बेच रहा है। उसने पिछले 40 साल में इतने सुनियोजित तरीके से यह काम किया है कि भारत को उससे सीखना चाहिए। भारत ने भी देखा कि कैसे ऑपरेशन सिंदूर के समय तुर्किए से मिले ड्रोन से पाकिस्तान लड़ रहा था। अब भी उसी के ड्रोन गाहे बगाहे पाकिस्तान सीमा पर दिखते हैं। उसने सातवें दशक में साइप्रस संकट के समय अमेरिका और यूरोप ने उसको हथियार देने पर पाबंदी लगा दी थी। उसके बाद ही उसने अपने को आत्मनिर्भर बनाने का फैसला किया और 1985 में प्रेसिडेंसी ऑफ डिफेंस इंडस्ट्रीज के नाम से एक केंद्रीय संस्था बनाई। उसके बाद पिछले चार दशक में तुर्किए ने अलग ही पहचान बना ली है। भारत भी इस मॉडल पर काम कर सकता है।इस मॉडल की कुछ खास बातें हैं। जैसे तुर्किए ने दूसरे देशों के साथ जो भी हथियार सौदा किया उसमें प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की अनिवार्य शर्त रखी। उसने अमेरिका, जर्मनी, इटली आदि से हथियारों का सौदा किया तो उसके लोकल प्रोडक्शन और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की शर्त रखी। उसने स्थानीय इंजीनियरों द्वारा उत्पादन की भी शर्त रखी। सोर्स कोड और डिजाइन पर अधिकार किया और लडाकू विमान से लेकर हेलीकॉप्टर और गाइडेड मिसाइल जैसी कई चीजों के उत्पादन का लाइसेंस हासिल किया। इसके बाद उसने ड्रोन क्रांति की, जिसमें निजी कंपनियों को शामिल किया। रक्षा उत्पादन में भी तुर्किए ने पब्लिक और प्राइवेट पार्टनरशिप में काम किया। लेकिन ड्रोन का पूरा क्षेत्र निजी कंपनियों को दिया और यह सुनिश्चित किया कि वे उत्पादन करें, बिकवाने की गारंटी उसकी होगी। यानी तुर्किए उनके लिए बाजार और ग्राहक जुटाएगा। आज स्थिति यह है कि अपनी रक्षा जरुरतों के मामले में तुर्किए 80 फीसदी आत्मनिर्भर है। इतना ही नहीं तुर्किए आज 180 देशों को अपने हथियार बेचता है। पूरा अफ्रीका उसका बाजार है। वह मध्य एशिया, खाड़ी देशों के साथ साथ यूरोप को भी हथियार बेचता है। उसने देश के कई हिस्सों में डिफेंस प्रोडक्शन के कलस्टर बनाए हैं, जहां उत्पादन होता है।भारत अगर आज इस मॉडल पर चलना शुरू होता है तो अब तकनीक और उत्पादन की रफ्तार दोनों इतनी तेज हो गई है कि उसे तुर्किए की तरह 40 साल नहीं इंतजार करना होगा। वह सिर्फ 10 साल में अपनी जरुरतों के लिए आत्मनिर्भर हो जाएगा और दुनिया के रक्षा से जुड़े उत्पाद बेचने लगेगा। भारत के पास पहले से डीआरडीओ और अन्य पीएसयू हैं, जो रक्षा उपकरण बना रहे हैं। भारत जो व्यापारिक संधियां कर रहा है उसमें प्रौद्योगिक हस्तांतरण, लाइसेंस्ड प्रोडक्शन, लोकल इंजीनियर और लोकल प्रोडक्शन, सोर्स कोड व डिजाइन पर कंट्रोल आदि की शर्तें रखवाता है और निजी व सरकारी कंपनियों को इस काम में शामिल करता है तो बहुत जल्दी भारत में भी एक बड़ा मिलिट्री डिफेंस कॉम्प्लेक्स विकसित हो सकता है। इसके अलावा भारत के पास इसरो के रूप में एक ऐसी संस्था है, जिसने पहले से पूरी दुनिया में अपना बाजार बनाया है। उसको राजनीति में घसीटने की बजाय उसे और मजबूत बनाया जाए तो वहां से दुनिया भर के सेटेलाइट लॉन्च होंगे, जिनसे भारत को आय होगी।भारत की बड़ी समस्या यह है कि यहां के अरबपति, खरबपति सब यही के 140 करोड़ लोगों की जेब से पैसे निकालने और सरकारी व प्राकृतिक संपदा का दोहन करके अपना खजाना भरने में लगे हैं। वे शोध व विकास यानी आरएंडडी पर धेला खर्च नहीं करते हैं।

साहित्य अकादमी पुरस्कारों पर उठा विवाद

राष्ट्रीय स्तर पर साहित्य, कला, सिनेमा आदि पर एक खास रंग चढ़ता नजर आया है। उसको लेकर दूसरी सोच की राजनीति से जुड़ी ताकतों में असहजता रही है। उससे चौड़ी होती गई खाई अब खुले विभाजन की वजह बन रही है। साहित्य अकादमी पुरस्कारों पर उठा विवाद भारतीय साहित्य में विभाजन की हद तक पहुंच गया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने सात भारतीय भाषाओं के लिए अलग से पुरस्कार शुरू करने का एलान कर दिया है। अपने इस कदम की वजहों को लेकर स्टालिन ने कोई लाग–लपेट नहीं बरता। बल्कि दो टूक कहा– 'कुछ दिन पहले विजेताओं की सूची को अंतिम रूप दिए जाने के बाद केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के दखल पर साहित्य अकादमी पुरस्कारों की घोषणा रद्द कर दी गई। हमें नहीं मालूम कि अब ये घोषणा होगी भी या नहीं। कला और साहित्य में हस्तक्षेप खतरनाक है। स्टालिन ने कहा कि इस पर रचनात्मक प्रतिक्रिया दिखाते हुए प्रथम चरण में तमिलनाडु सरकार ने तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम, ओड़िया, बांग्ला और मराठी भाषाओं के लिए हर साल सेमोझी साहित्य पुरस्कार देने का फैसला किया है। डीएमके 2.0 (यानी अगले विधानसभा चुनाव के बाद बनने वाली) सरकार इस पहल को मजबूत एवं विस्तृत करेगी। मतलब शायद यह कि पुरस्कार के दायरे में अन्य भाषाओं को भी लाया जाएगा। फिर भी, फिलहाल भाषाओं का जो चयन किया गया है, उसमें एक पैटर्न साफ दिखा है। इसमें हिंदी को अलग रखने का सियासी पैगाम साफ नजर आता है। यह तो खुद स्टालिन के बयान से स्पष्ट है कि इन पुरस्कारों का भविष्य अप्रैल– मई में होने वाले विधानसभा चुनाव के नतीजों पर निर्भर करेगा। इस रूप में ताजा एलान का चुनावी राजनीति से जुड़ाव भी साफ है। बहरहाल, मुद्दा यही है कि राष्ट्रीय स्तर पर साहित्य, कला, सिनेमा आदि को राजनीति से जोड़ने की प्रवृति तेजी से बढ़ी है। परिणास्वरूप इन माध्यमों पर एक खास रंग चढ़ता नजर आया है। उसको लेकर दूसरी सोच की राजनीति से जुड़ी ताकतों में असहजता है, यह तो काफी समय से जाहिर हो रहा था।

सिनेमाघरों में जल्द ही भौकाल मचाने पूरी तरह तैयार मिर्जापुर: द फिल्म

मिर्जापुर एक ऐसी वेब सीरीज जिसने ओटीटी की दुनिया में आते ही तहलका मचा दिया और देखते ही देखते एक कल्ट फेनोमेनन बन गई। गालियां, सत्ता की भूख, खून–खराबा और दमदार किरदारों के साथ इस शो ने वो कारनामा कर दिखाया, जो बहुत कम सीरीज कर पाती हैं। दर्शकों से मिले जबरदस्त प्यार और ओटीटी पर इसकी रिकॉर्डतोड़ लोकप्रियता को देखते हुए अब मेकर्स ने इसे बड़े पर्दे पर लाने का फैसला कर लिया है। जल्द ही 'मिर्जापुरः द फिल्मझ् सिनेमाघरों में भौकाल मचाने के लिए पूरी तरह तैयार है।'मिर्जापुरः द फिल्म् का इंतजार फैंस काफी लंबे समय से कर रहे थे। वेब सीरीज के तीन सफल सीजन के बाद अब दर्शक यह जानने के लिए बेताब हैं कि ओटीटी से सिनेमाघरों तक पहुंचते हुए इस कहानी में क्या नया देखने को मिलेगा। इसी बीच फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। हाल ही

में मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर यह कन्फर्म कर दिया है कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। मेकर्स के मुताबिक फिल्म का आखिरी शेड्यूल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है और अब प्रोजेक्ट पोस्ट–प्रोडक्शन स्टेज में पहुंच चुका है। यह अपडेट सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस की एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है।

'मिर्जापुरः द फिल्मझ् को लेकर बज का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह ऑरमैक्स सिनेमैटिक्स की मोस्ट अवेटेड हिंदी फिल्मों की लिस्ट में भी शामिल हो चुकी है। इसका साफ मतलब है कि दर्शक इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं और इसे बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

रानी मुखर्जी की मर्दानी 3 चल रही कछुआ की चाल, तीसरे दिन हुआ इतना कारोबार

बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 ने पहले दिन धीमी शुरुआत की, लेकिन इसने हार नहीं मानी। बॉक्स ऑफिस पर कछुए की चाल चलते हुए इसने तीसरे दिन सबसे ज्यादा कारोबार कर दिखाया है। बता दें, 30 जनवरी को रिलीज मर्दानी 3 के जरिए रानी ने पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में बड़े पर्दे पर दोबारा वापसी की है। फिल्म का निर्देशन अभिराज मीनावाला ने किया है, जबकि निर्माता यशराज फिल्म्स हैं। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, मर्दानी 3 ने अपनी रिलीज के तीसरे दिन (रविवार) को 7.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया है जो पिछली कमाई के मुकाबले सबसे ज्यादा है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर महज 4 करोड़ रुपये से ओपनिंग ली थी। दूसरे दिन 6.25 करोड़ कमाते हुए इसने अब तक कुल 17.50 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। हालांकि, 3 दिनों में फिल्म 20 करोड़ का आंकड़ा नहीं छू पाई है, जो थोड़ा चिंताजनक है। मर्दानी 3 का ट्रेलर काफी दमदार था जिसे देखकर लोगों ने इसके शानदार प्रदर्शन की उम्मीदें लगाई थीं। माना जा रहा था कि फिल्म पहले दिन दोहरे आंकड़ों में कमाई करेगी, लेकिन ऐसा न हो सका।

आईसीसी टी—20 रैंकिंग: ईशान किशन ने लगाई बड़ी छलांग, सूर्यकुमार को भी हुआ फायदा

नईदिल्ली,इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने ताजा रैंकिंग जारी की है, जिसमें भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को बड़ा फायदा हुआ है। हाल ही में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ टी–20 सीरीज में जोरदार प्रदर्शन करने वाले किशन ने बल्लेबाजों की रैंकिंग में 32 पायदान की बड़ी छलांग लगाई है। उनके अलावा भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव एक पायदान के फायदे से छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। आइए रैंकिंग के बारे में जानते हैं।किशन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी–20 सीरीज में 4 पारियों में 53.75 की औसत और 231.18 की स्ट्राइक रेट के साथ 251 रन बनाए थे। उन्होंने तिरुवनंतपुरम में खेले गए सीरीज के आखिरी टी–20 मैच में तेज शतक (103) भी लगाया था। भारतीय टीम ने

सीरीज पर 4–1 से कब्जा जमाया था। किशन के अब 584 रेटिंग अंक हो गए हैं। वह बल्लेबाजों की रैंकिंग में 32वें स्थान पर पहुंच गए हैं। सूर्यकुमार न्यूजीलैंड के खिलाफ सम्पन्न हुई टी–20 सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। भारतीय कप्तान ने 5 पारियों में 80.66 की औसत और 196.74 की स्ट्राइक रेट के साथ 242 रन बनाए थे। इस बीच उनके बल्ले से 2 अर्धशतकीय पारियां भी निकली थी। वह अब 728 रेटिंग अंक के साथ छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। अभिषेक शर्मा (917) शीर्ष पर बरकरार हैं। वहीं, तिलक वर्मा चौथा स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन 16 पायदान ऊपर चढ़कर 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वह पाकिस्तान के खिलाफ टी–20 सीरीज में खेले थे। दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डिकॉक (15 पायदान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 22वें स्थान पर) को भी फायदा हुआ है। प्रोटियाज टीम के बाएं हाथ के बल्लेबाज रयान रिकेल्टन (42 पायदान ऊपर चढ़कर 40वें स्थान पर) ने टी–20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की इसी सूची में बड़ी छलांग लगाई है।

मेहरीन पीरजादा ने शादी की अफवाहों पर बताई सच्चाई

एक्ट्रेस मेहरीन पीरज़ादा ने हाल ही में शादी की झूठी खबरों का ज़ोरदार खंडन किया है, और इन बेबुनियाद जानकारियों पर निराशा और गुस्सा ज़ाहिर किया है। एक साफ़ बयान में, मेहरीन ने मीडिया से ज़िम्मेदारी से काम करने की अपील की और ज़ोर देकर कहा कि वह अपनी कोई भी पर्सनल खबर खुद बताएंगी।लगभग दो सालों तक, मेहरीन ने अपनी पर्सनल ज़िंदगी के बारे में बार–बार उड़ रही अफवाहों के बीच चुप रहना पसंद किया। लेकिन हाल ही में एक रिपोर्ट में एक अनजान व्यक्ति को उनका पति बताया गया, जिसके बाद उन्हें सामने आकर बोलना पड़ा। उन्होंने साफ़ किया, मेरी किसी से शादी नहीं हुई है, और इस कहानी को पूरी तरह से झूठा और दुख पहुंचाने वाला बताया। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की और मीडिया आउटलेट्स से झूठी कहानियाँ बनाना बंद करने को कहा। मेहरीन ने ऐसी पर्सनल झूठी बातें फैलाने को गलत बताया और फैंस को भरोसा दिलाया कि सही समय आने पर वह अपनी ज़िंदगी के बारे में अपडेट शेयर करेंगी।

बॉर्डर 2 ने खोल दी अहान शेट्टी की किस्मत, हाथ में आईं 3 बड़ी फिल्में

बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी के लाडले बेटे अहान शेट्टी इस वक्त जनता की तारीफें बटोर रहे हैं, क्योंकि उन्हें हालिया रिलीज फिल्म बॉर्डर 2 में देखा गया है। सनी देओल अभिनीत इस फिल्म को दर्शकों की बेहतरीन प्रतिक्रिया मिल रही है। अहान ने इसमें भारतीय नौसेना के जांबाज अधिकारी का किरदार निभाया है। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म ने अहान की किस्मत का ताला भी खोला है। उनके हाथ 1 या 2 नहीं, बल्कि 3 फिल्में लग चुकी हैं। अहान ने बताया कि उन्होंने 3 फिल्में साइन की हैं। इनमें से उनकी एक फिल्म निर्देशक शाद अली के साथ है जिन्हें साथिया (2002) के लिए जाना जाता है। अभिनेता ने कहा, यह एक दमदार एक्शन लव स्टोरी है, एक ऐसी फिल्म जिसमें मैं तड़प (2021) के बाद वापसी कर रहा हूं। मुझे ऐसे दमदार किरदार और उनकी गहराई पसंद है। उन्होंने बताया कि फिल्म का शीर्षक तय नहीं हुआ है, लेकिन काम चल रहा।

46वीं नेशनल मास्टर एथलेटिक्स में झारखंड का दमदार प्रदर्शन

रांची, केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में आयोजित 46वीं नेशनल मास्टर एथलेटिक्स खेलकूद प्रतियोगिता में झारखंड मास्टर एथलेटिक्स के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य का नाम रोशन किया. इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में झारखंड के खिलाड़ियों ने कुल 8 पदक अपने नाम किए, जिसमें 4 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य पदक शामिल हैं. उम्र को मात देते हुए खिलाड़ियों की इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया कि जज्बा और अनुशासन के आगे उम्र कोई बाधा नहीं होती.प्रतियोगिता में झारखंड के वरिष्ठ एथलीट राम प्रताप मुंडा ने असाधारण प्रदर्शन करते हुए 80+ आयु वर्ग में तीन स्वर्ण पदक जीतकर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा. उन्होंने 800 मीटर दौड़,

5000 मीटर दौड़ और 5000 मीटर वॉकिंग स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल कर झारखंड को गौरवान्वित किया.उनकी यह उपलब्धि न केवल झारखंड बल्कि पूरे देश के मास्टर एथलीट के लिए प्रेरणा बन गई है. वहीं, 35+ आयु वर्ग में मुन्ना ने 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर झारखंड के स्वर्ण पदकों की संख्या को चार तक पहुंचाया. उनकी मेहनत और लगन का परिणाम राष्ट्रीय मंच पर साफ दिखाई दिया.महिला वर्ग में भी झारखंड के एथलीट ने बेहतरीन प्रदर्शन किया. श्रुति कामना तिर्की ने 35+ आयु वर्ग में शॉट पुट में रजत पदक और डिस्कस थ्रो में कांस्य पदक जीतकर दोहरी सफलता हासिल की. वहीं, 60+ आयु वर्ग में प्रभा लकड़ा ने शॉट पुट स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर झारखंड की झोली में एक और पदक जोड़ा.इसके अलावा, 70+ आयु वर्ग में बाबू देव ने 2000 मीटर स्टीपलचेज (2000 स्ट) स्पर्धा में रजत पदक जीतकर अपने अनुभव और फिटनेस का शानदार प्रदर्शन किया. झारखंड मास्टर एथलेटिक्स के सचिव लक्ष्मण राम ने इस उपलब्धि की जानकारी देते हुए सभी विजेता खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई दी.

एक नजर

बछुवाबांण के लिए कुछ दिन ही चली बस सेवा, अब बंद

चमोली, गैरसैंण विकासखंड के दूरस्थ क्षेत्र बछुवाबांण एवं आसपास के गांवों के लिए शुरू की गई बस सेवा महज कुछ दिन ही चल पाई। समिति की यह बस सेवा बीते 26 जनवरी से बंद हो गई है। ऐसे में दूरस्थ क्षेत्र के ग्रामीणों को अब आवागमन के लिए टैक्सियों का ही सहारा है। रूपकुंड पर्यटन विकास समिति ने बीते साल 9 दिसंबर से हरिद्वार से कर्णप्रयाग होते हुए गैरसैंण के विकासखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्र बछुवाबांण के लिए बस सेवा शुरू की लेकिन शुरू से ही यह बस सेवा हिचकोले खाती रही। यह बस सेवा हरिद्वार से नौ बजे कर्णप्रयाग पहुंचने के बाद कभी दस बजे तो कभी दोपहर डेढ़ बजे कर्णप्रयाग से बछुवाबांण के लिए रवाना हो रही थी। मेहलचौरी के मंगल सिंह का कहना है कि इस बस सेवा से बछुवाबांण, गाजियाबाद सहित दूरस्थ गांवों को लाभ मिल रहा था। उन्होंने सरकार से यहां उत्तराखंड परिवहन निगम की बस सेवा संचालित करने की मांग की। वहीं रूपकुंड पर्यटन विकास समिति के कर्णप्रयाग प्रभारी बीबी चमोली ने बताया कि बछुवाबांण तक सवारियां नहीं मिलने के कारण बस सेवा नुकसान में थी। इस कारण इसे बंद कर दिया गया है।

शौचालय के पास उगी घास, फैली गंदगी

चमोली। नगर पालिका क्षेत्र सिमली में विगत पांच वर्ष पूर्व लोगों की सुविधाओं के लिए लाखों रुपये की लागत से निर्मित हाइटेक शौचालय के आसपास उगी घास और वहां फैली गंदगी से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जनता की मांग पर औद्योगिक परिक्षेत्र सिमली के इंडेन गैस कार्यालय के समीप हाईटेक शौचालय का निर्माण किया गया था लेकिन पालिका–प्रशासन की लापरवाही से सफाई व्यवस्था और समुचित रख–रखाव नहीं होने से औद्योगिक परिक्षेत्र और इंडेन गैस कार्यालय में आने वाले लोगों, विभागीय कर्मियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रविंद्र खंडूड़ी, जयदीप गैरोला, अजय डिमरी ने पालिका–प्रशासन से सफाई व्यवस्था की मांग की। सभासद मनोज पुंडीर ने बताया कि जल्द विभागीय कर्मियों को निर्देशित कर सिमली के शौचालय की सफाई व्यवस्थाएं दुरुस्त कर दी जाएंगी।

जाख गांव में भी सार्वजनिक कार्यों में पूर्ण शराबबंदी

चमोली। विकासखंड के जाख गांव में ग्रामीणों ने बैठक कर गांव में सार्वजनिक कार्यों में पूर्ण शराबबंदी का निर्णय लिया। साथ ही गांव में जुआ खेलने पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया। ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया यदि कोई भी नियमों का उल्लंघन करता है तो ग्राम पंचायत की ओर से उस पर 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। बुधवार को ग्राम प्रधान कुसुम देवी की अध्यक्षता में पंचायत भवन में आयोजित बैठक में महिलाओं ने कहा कि शराब के कारण युवा पीढ़ी भी इसकी चपेट में आ रही है। गांव में जगह–जगह शराब पीकर लोग गांव का माहौल खराब कर रहे हैं। ऐसे में गांव में पूर्णतः शराबबंदी लागू होनी चाहिए। इस मौके पर चैता देवी, ममंद अध्यक्ष ममता देवी, मुकेश पलनाई, पुरेंद्र सिंह नेगी और गोविंद डंगवाल आदि मौजूद रहे।

अगस्त्यमुनि महाराज की डोली ने पूछी कुशलक्षेम

रुद्रप्रयाग। बुधवार को अगस्त्यमुनि महाराज की डोली ने मल्या गांव बावई का भ्रमण किया। ग्रामीणों ने पारंपरिक रीति–रिवाजों के साथ पुष्प वर्षा कर डोली का स्वागत किया। बावई गांव में विधिवत पूजा–अर्चना के बाद प्रसाद वितरण किया।

श्रद्धालु सूर्य प्रताप सिंह, मनोज नेगी, राजपाल सिंह, पूरन सिंह ने बताया कि यह यात्रा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को भी सशक्त करने का संदेश दे रही है।

चालक–परिचालक को पुलिस ने किया सम्मानित

रुद्रप्रयाग। जागरूक नागरिक होने के नाते दो बालिकाओं को सुरक्षित उनके परिजनों तक पहुंचाने पर बस चालक उपेंद्र थपलियाल और परिचालक ऋतुराज सिंह को पुलिस ने सम्मानित किया। कुछ दिन पूर्व रुद्रप्रयाग जिले की दो बालिकाएं बिना बताए घर से कहीं चली गई थीं। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने बालिकाओं का विवरण सीमावर्ती जनपदों और थाना–चौकियों को प्रसारित किया। उसी दौरान बस चालक उपेंद्र थपलियाल निवासी मयाली, रुद्रप्रयाग और परिचालक ऋतुराज सिंह निवासी मातली उत्तरकाशी ने देखा कि उनकी बस में दो बालिकाएं अकेली बैठी हैं।

कोटद्वार शहर की सड़कों पर लगातार बढ़ रही गोवंश की संख्या

कोटद्वार में गिवईस्रोत पुल पर बैठा निराश्रित गोवंश का झुंड

राहचलते लोगों के साथ ही काश्तकारों के लिए मुसीबत बने गोवंश

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार की सड़कों पर लगातार बढ़ रही गोवंश की संख्या आमजन की चिंता बढ़ा रही है। लेकिन, सरकारी सिस्टम जनता की इस समस्या को लेकर लापरवाह बना हुआ है। पिछले एक माह के भीतर गोवंश दस से अधिक राहगीरों को घायल कर चुके हैं। यही नहीं तीन से अधिक लोग गोवंश के हमले में अपनी जान तक गंवा चुके हैं। चौंकाने वाली बात तो यह है कि लगातार शिकायत के बाद भी आज तक नगर निगम ने गोवंश सड़क पर छोड़ने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई तक नहीं की। ऐसे में कैसे समस्या का निराकरण होगा यह बड़ा सवाल है।

निराश्रित गोवश संरक्षण को लेकर नगर निगम बड़े-बड़े दावे करता है। लेकिन, धरातल की स्थिति निगम के इन दावों की पोल खोल रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ ही मुख्य सड़कों पर बैठा गोवंश का झुंड आसानी से देखा जा सकता है। क्षेत्र की नदियों पर बने पुलों में पूरे दिन गोवंश का जमावड़ा लगा रहता है। जिससे राहगीरों को दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। गलियों में घूमने वाले गोवंशों के कारण बुजुर्ग व बच्चों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। कुछ माह पूर्व झंडाचौक में गोवंश एक दुकान के भीतर घुस गया था। दुकान में बैठे व्यापारी ने भागकर अपनी जान बचाई। लगातार बढ़ रहे गोवंश की संख्या से सबसे अधिक खतरा स्कूली बच्चों को बना हुआ है। नियमानुसार, गोवंश को सड़क पर छोड़ने वालों के खिलाफ नगर निगम को कार्रवाई करनी चाहिए। लेकिन, आज तक नगर निगम ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। नतीजा, लोग लगातार गोवंश को सड़क पर निराश्रित छोड़ रहे हैं।

अब तक हुई घटनाएं

कुछ माह पूर्व जौनपुर में अपने घर के बाहर खड़े एक व्यक्ति पर गोवंश ने हमला कर दिया था। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को बेस अस्पताल पहुंचाया गया। लेकिन, कुछ दिन बाद ही उपचार के दौरान व्यक्ति की मौत हो गई। काशीरामपुर तल्ला में भी गोवंश ने एक व्यक्ति पर हमला कर दिया था। बेस अस्पताल में प्रथमिक उपचार के बाद व्यक्ति को हायर सेंटर रेफर किया गया। जहां उपचार के दौरान उनकी भी मौत हो गई थी। पटेल मार्ग में सब्जी खरीद रही महिला पर गोवंश ने हमला कर दिया था। महिला को उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया। लगातार घटनाओं के बाद पूर्व सैनिक सहित अन्य संगठनों ने नगर निगम व प्रशासन से गोवंशों को पकड़ने के लिए अभियान चलाने की बात कही। लेकिन, आज तक निगम का यह अभियान रंग नहीं ला पाया है। सबसे अधिक परेशानी बदरीनाथ मार्ग, झंडाचौक, पटेल मार्ग, नजीबाबाद रोड, स्टेशन रोड, देवी रोड, मानपुर व भाबर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर बनी हुई है।

अधिकारियों के नहीं पहुंचने पर भड़के जनप्रतिनिधि

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : क्षेत्र पंचायत नैनीडांडा की बैठक हंगामे की भेंट चढ़ गई। दरअसल, बैठक में जिलास्तरीय अधिकारियों के नहीं पहुंचने पर जनप्रतिनिधियों ने रोष व्यक्त किया। साथ ही जनप्रतिनिधियों ने कार्य बंटवारे में भी मनमानी का आरोप लगाया। आक्रोशित जनप्रतिनिधियों ने व्यवस्थाओं में सुधार की मांग उठाते हुए बैठक का बहिष्कार किया।

मंगलवार को नैनीडांडा में क्षेत्र पंचायत की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलास्तरीय अधिकारियों के नहीं पहुंचने पर जनप्रतिनिधियों ने रोष व्यक्त किया। क्षेत्र पंचायत सदस्य उपदेश बिष्ट ने कहा कि जब बैठक में जिला स्तरीय अधिकारी ही नहीं पहुंचते तो जनप्रतिनिधि किसे अपनी समस्या से अवगत करवाए। उन्होंने ब्लाक प्रमुख पर मनमाने ढंग से क्षेत्र पंचायत निधि का बंटवारा करने का भी आरोप लगाया। कहा कि इससे विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। खंड विकास अधिकारी नैनीडांडा प्रमोद कुमार पांडे ने बताया कि सदस्यों के हंगामे के कारण किसी भी मुद्दे पर चर्चा नहीं हो पाई। बताया कि क्षेत्र पंचायत सदस्य संजय पाल सिंह, उपदेश सिंह बिष्ट, गिरीश रावत, शीशपाल सिंह, हीमा सुंद्रियाल, अलका, रेखा, गंगोत्री देवी सहित अन्य सदस्यों ने जिला स्तरीय अधिकारियों के न पहुंचने और क्षेत्र पंचायत निधि के आवंटन में अनियमितता की बात कहते हुए बैठक के बहिष्कार का ज्ञापन दिया। सदस्यों द्वारा बैठक का बहिष्कार किए जाने के कारण कोरम पूरा नहीं हुआ, जिससे बैठक को स्थगित करना पड़ा।

नुकड्ड नाटक से दिया पानी बचाने का संदेश

देहरादून। प्रेम नगर स्थित कैंट जूनियर हाई स्कूल के छात्र–छात्राओं ने जल संचय जन भागीदारी कार्यक्रम के तहत प्रेम नगर खन्ना चौक पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। जिसमें बच्चों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आम लोगों और व्यापारियों को पानी का महत्व समझाया गया।

जंगलों की सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

आयोजित कार्यशाला में भाग लेते अधिकारी व अन्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पर्यटकों को जंगल घुमाने के लिए लेकर आने वाले गाइडों को जंगल के प्रति जागरूक करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें जंगल के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

कालागढ़ टाइगर रिजर्व प्रभाग लैंसडौन की ओर से कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें उप प्रभागीय वनाधिकारी अनामिका बुकरवाल ने गाइडों को जंगल के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कहा कि जंगल सफारी के दौरान कोई भी पर्यटक नियमों का उल्लंघन न करें इसका विशेष ध्यान रखें। जंगल भ्रमण के दौरान संवेदनशीलता होनी आवश्यक है। किसी भी तरह की समस्या होने पर तुरंत वन विभाग से संपर्क करें। जंगल में किसी भी तरह की गंदगी न फैलाएं। कूड़े से जंगली जानवरों को नुकसान हो सकता है। इसलिए जंगल की सुरक्षा को लेकर गंभीरता दिखाएं। कहा कि हमें यह जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचानी चाहिए। जिससे व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जा सकें।

रक्तदान कर यातायात सुरक्षा का दिया संदेश

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : परिवहन विभाग ने रक्तदान शिविर के माध्यम से आमजन को यातायात के प्रति जागरूक किया। कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए हमें यातायात नियमों का सख्ती से पालन करना चाहिए। इस दौरान रक्तदान के फायदे भी गिनवाए गए।

वर्तमान में सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा माह चल रहा है। इसके तहत परिवहन विभाग आमजन को यातायात के प्रति जागरूक कर रहा है। इसी के तहत बुधवार को संभागीय परिवहन कार्यालय कोटद्वार में परिवहन विभाग कोटद्वार के तत्वावधान में चन्द्रमोहन सिंह नेगी राजकीय बेस अस्पताल द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी शशि दूबे ने रक्तदान कर किया। उन्होंने कहा कि जीवन बचाने के लिए रक्तदान व यातायात नियमों का पालन आवश्यक है। कहा कि रक्तदान से हम किसी जरूरतमंद को नया जीवन दे सकते हैं। जबकि, यातायात नियमों का पालन कर हम स्वयं के साथ ही सड़क पर चलने वाले लोगों को सुरक्षित रखते हैं। कहा कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का उपयोग करें। साथ ही कार व अन्य चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट अवश्य लगाए। जरा सी लापरवाही हमारे जीवन पर भारी पड़ सकती है, इसलिए वाहन चलाने से पूर्व नियमों का ध्यान रखें। शिविर में 23 लोगों ने रक्तदान किया। कार्यक्रम में नेत्र जांच शिविर भी लगाया गया, जिसमें 35 लोगों ने अपने आंखों की जांच कराई। इस मौके पर प्रदीप रावत, अजय मेहरा, सतीश अमोली, गीता, दलजीत सिंह, गिरिराज सिंह, जयंत वशिष्ठ, सुनील कुमार, विजेंद्र प्रसाद, सुमित कुमार, कुंदन सिंह, देवेश भट्ट, अंकित कुमार, सुमित गुसाईं, राकेश कुनियाल, प्रिया आदि मौजूद रहे।

संभागीय परिवहन कार्यालय कोटद्वार में आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदान करते कर्मी

कैंसर से बचाव के प्रति किया जागरूक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पब्लिक इंटर कॉलेज सुरखेत में विश्व कैंसर दिवस पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को कैंसर से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की अपील की गई।

बुधवार को विद्यालय में कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने विद्यार्थियों को कैंसर के बारे में जानकारी दी। कहा कि अंतरराष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण संघ के बैनर तले चार फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है। भारत में राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस सात नवम्बर को मनाया जाता है। कहा कि कैंसर आज दुनिया की सबसे गंभीर और चुनौतीपूर्ण बीमारियों में से एक है। यह बीमारी न केवल शरीर को प्रभावित करती है, बल्कि मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक जीवन पर भी गहरा प्रभाव डालती है। हर साल लाखों लोग कैंसर से जूझते हैं और उनके परिवार भी इस संघर्ष का हिस्सा बनते हैं। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को सही जानकारी देना है। कहा कि कैंसर शरीर में होने वाली एक असामान्य और घातक स्थिति है। इंसान के शरीर में जब सेल्स के जींस में किसी तरह का बदलाव आने लगता है तो कैंसर की शुरुआत होती है।

पब्लिक इंटर कालेज सुरखेत में आयोजित कार्यशाला में भाग लेते विद्यार्थी

नर्सिंग कॉलेज की स्थापना के लिए भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू

श्रीनगर गढ़वाल : मेडिकल कॉलेज के प्रस्तावित नर्सिंग कॉलेज की स्थापना के लिए भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। नगर निगम क्षेत्र श्रीनगर के अंतर्गत आने वाले गहड़ गांव में नर्सिंग कॉलेज को खोला जाना प्रस्तावित है। इसके लिए लंबे समय से प्रयास किए जा रहे हैं। पूर्व में गहड़ गांव में नर्सिंग कॉलेज और भरसार विश्वविद्यालय के अंतर्गत पशु चिकित्सा महाविद्यालय खोले जाने की योजना थी लेकिन यह योजना धरातल पर नहीं उतर पाई। वर्ष 2012 से क्षेत्र के लोग यहां नर्सिंग कॉलेज खोले जाने की बाट जोह रहे हैं। अब यहां पर मेडिकल कॉलेज श्रीनगर का नर्सिंग खोले जाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रस्तावित नर्सिंग कॉलेज में बीएससी नर्सिंग एवं एमएससी नर्सिंग पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाना है। स्थानीय राजेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि नर्सिंग कॉलेज व पशु चिकित्सा महाविद्यालय के लिए करीब 2200 नाली (नापखेत सहित सरकारी) जमीन चिह्नित की गई है। इसमें से भरसार कृषि विवि के नाम दर्ज भूमि को अब नर्सिंग कॉलेज के नाम हस्तांतरित करने की प्रक्रिया चल रही है। करीब 110 नाली जमीन स्थानीय लोगों ने दान की है। उन्होंने बताया कि शिक्षा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत की ओर से इस मामले में विशेष पहल की जा रही है। डॉ. आशुतोष सयाना, प्राचार्य, मेडिकल कॉलेज श्रीनगर गढ़वाल ने कहा कि गहड़ गांव में मेडिकल कॉलेज का नर्सिंग कॉलेज खुलना प्रस्तावित है। इसके लिए जमीन भी चिह्नित की गई है। कृषि विवि भरसार के नाम पूर्व में दर्ज इस जमीन को मेडिकल कॉलेज को हस्तांतरित किए जाने की प्रक्रिया चल रही है। नर्सिंग कॉलेज की स्थापना से क्षेत्र में स्वास्थ्य शिक्षा को बढ़ावा मिलने के साथ ही विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के नए अवसर उपलब्ध होंगे। (एजेंसी)

कौड़िया चैक पोस्ट पर सख्ती, वापस लौटाए वाहन

कोटद्वार के कौड़िया चैक पोस्ट पर बस की तलाशी लेते पुलिस कर्मी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में दुकान का नाम बदलने को लेकर हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। इंटरनेट पर पांच फरवरी को भीम आर्मी चीफ व सांसद चंद्रशेखर आजाद के कोटद्वार पहुंचने की भी चर्चा चल रही है। ऐसे में पुलिस उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड की सीमा पर पैनी नजर बनाए हुए है। निजी वाहनों के साथ ही सार्वजनिक वाहनों की भी तलाशी ली जा रही है। विभिन्न संगठनों से संबंधित झंडा वाहन पर लगाकर चलने वाले लोगों को वापस लौटाया गया।

मालूम हो कि, 26 जनवरी को पटेल मार्ग में दुकान का नाम बदलने को लेकर विवाद हो गया था। इसके बाद सोशल मीडिया पर घमासान मचा हुआ है। विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग मामले से संबंधित दीपक से मिलने के लिए कोटद्वार आने की बात कह रहे हैं। ऐसे में शहर व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस धरातल पर गंभीरता से कार्य कर रही है। पिछले तीन दिन से उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड की सीमा पर स्थित कौड़िया चैक पोस्ट पर पुलिस फोर्स की तैनाती की गई है। उत्तर प्रदेश की ओर से आने वाले हर वाहन की सख्ती से तलाशी हो रही है। संदेह होने पर लोगों के आधार कार्ड भी चेक किए जा रहे हैं। बिना किसी कार्य शहर में प्रवेश करने वालों को वापस भेजा जा रहा है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस सख्ती से काम कर रही है। कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

युवती से छेड़छाड़ करने वाला चढ़ा पुलिस के हत्थे

कोतवाली पुलिस की हिरासत में छेड़छाड़ का आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत एक मोहल्ले में युवती से छेड़छाड़ करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

मामले में एक दिन पूर्व ही युवती की ओर से कोतवाली में तहरीर दी गई थी। जिसमें युवती ने बताया कि उस्मान नाम का एक युवक पिछले कई दिनों से उसके साथ छेड़छाड़ कर रहा है। यही नहीं, युवक उसे देखकर आपत्तिजनक हरकतें भी करता है। विरोध करने पर युवक गाली-गलौच करता है। उसने युवक की शिकायत उसके स्वजनों से भी की। लेकिन, उन्होंने भी उसे नहीं समझाया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि युवती की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने रसीदिया मस्जिद निवासी उस्मान को गाड़ीघाट क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया।

शॉटपुट खिलाड़ी बॉबी ने जीता स्वर्ण पदक

श्रीनगर गढ़वाल : केंद्रीय विद्यालय एसएसबी श्रीनगर के उभरते हुए शॉटपुट खिलाड़ी बॉबी ने सांसद खेल महोत्सव में अंडर-19 बालक वर्ग की गोला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। अब बॉबी 12 से 15 फरवरी तक महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में होने वाली राज्यस्तरीय खेल महाकुंभ प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। इससे पूर्व भी बॉबी केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) की विभिन्न स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर चुके हैं। उन्होंने संभागीय स्तर की गोला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किया था। बॉबी ने सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, परिवारजनों, शिक्षकों तथा विशेष रूप से विद्यालय की प्राचार्या कीर्ति सक्सेना को दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालय प्रशासन एवं शिक्षकों से मिले निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग से उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली है। (एजेंसी)

DIRECTORATE GENERAL RESETTLEMENT
MINISTRY OF DEFENCE
JOB FAIR for EX-SERVICEMEN (ESM)
13 FEBRUARY 26 (7 AM Onwards)
VENUE : JASWANT SINGH GROUND
GARHI CANTT, DEHRADUN, UTTARAKHAND
Documents Required : ESM I-Card and 5 copies of Resume/Biodata

EX-SERVICEMEN : SKILLED, DISCIPLINED AND DEPENDABLE

Benefits for Industry Employers
• Free Online Registration
• Free Job Postings
• Free Allotment of Stalls
• Free Access to Resumes of ESM

For further details contact:
Jt Director,DRZ (W) - 9872602277,0172-2554085
drzwcdm@desw.gov.in
Jt Director(SE),DGR - 011-20863432
seopadgr@desw.gov.in

What Employers Can Expect in Job Fair
Officers for Leadership roles & ESM for:-
- PSOs,Supervisors and Guards
- Drivers and Machinery Operators
- Chefs, Stewards and Hospitality roles
- Paramedical staff and Hospital Administration
- Fitters, Electricians and Technicians
- Artificers, Mechanics and Engine Operators
- Network and Telecom Engineers
- Surveyors and Draughtsmen
- Machinists, Welders and Artisans
- Automobile, Aviation & Weapon Technicians

CBC 10401/11/0045/2526

संक्षिप्त समाचार

बस चालक की लापरवाही से तीन बच्चों के सिर से उठा मां का साया

चमोली। मंगलवार दोपहर दो बजे कोठियालसैंण निवासी मंजू देवी को ऋइस्ट एकेडमी की बस ने कुचल दिया। वह अपने काम से गोपेश्वर की तरफ आ रही थी। बस चालक विद्यालय की छुट्टी होने पर बच्चों को लेकर गोपेश्वर की तरफ जा रहा था। पोखरी बैंड के पास चालक ने आगे चल रही मंजू की स्कूटी को ओवरटेक करने में टक्कर मार दी। जिसमें उनकी मौत हो गई। उनके तीन बच्चे हैं, सबसे बड़ी प्रिया 11 साल, कनक नौ साल और सबसे छोटा बेटा आर्यन पांच साल का है। दुर्घटना से आक्रोशित परिजन व स्थानीय लोग गोपेश्वर थाने पहुंचे। विद्यालय के मैनेजर को भी थाने बुलाया गया। काफी देर तक चली वार्ता के बाद तय हुआ कि विद्यालय तीनों बच्चों को 12वीं तक निशुल्क पढ़ाई करवाएगा। इस दौरान ईराणी के पूर्व प्रधान मोहन सिंह नेगी, सभासद सूर्य प्रकाश पुरोहित, जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष गजेंद्र रावत, पूर्व जिला पंचायत सदस्य योगेंद्र सेमवाल, योगंबर सिंह आदि मौजूद रहे। पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा : गोपेश्वर थानाध्यक्ष नरेश राठौड़ ने बताया कि परिजनों व विद्यालय प्रबंधन के बीच समझौता हुआ है, जिसमें विद्यालय तीनों बच्चों को 12वीं तक पढ़ाएगा। परिजनों की तहरीर पर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। बस को पुलिस ने कब्जे में लिया है, चालक भी हिरासत में है।

कांग्रेस ने मनरेगा बचाओ–गांव बचाओ रैली निकालकर किया प्रदर्शन

नई टिहरी। मनरेगा बचाओ–गांव बचाओ अभियान के तहत कांग्रेस ने रैली निकालकर कलेक्ट्रेट परिसर में केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर सांकेतिक धरना दिया। उन्होंने राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजकर मनरेगा योजना को बहाल करने की मांग उठाई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष मुरारीलाल खंडवाल और प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी के नेतृत्व में हनुमान चौक से विधि विहार होते हुए कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली। विधायक नेगी ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने देश के ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब लोगों के लिए मनरेगा रोजगार गारंटी योजना शुरू की थी लेकिन भाजपा सरकार ने उसे बदलकर विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार योजना में तब्दील कर भगवान राम के नाम से जोड़कर लोगों को गुमराह करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मनरेगा में किसी वजह से जब श्रमिकों को रोजगार नहीं मिलता था,उन्हें रोजगार भत्ता दिए जाने का प्रावधान था। सरकार ने उसे भी खत्म कर दिया है। जिससे अकुशल श्रमिकों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है। जिलाध्यक्ष खंडवाल ने कहा कि कांग्रेस गत एक माह से मनरेगा योजना बदलने का विरोध कर रही है जब तक पुनः मनरेगा योजना की बहाली नहीं की जाती है।

कांग्रेस का विरोध जारी रहेगा। कांग्रेसियों ने डीएम के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजकर वीबीजीराम योजना को मनरेगा में बदलने की गुहार लगाई। इस मौके पर जिला पूर्व जिलाध्यक्ष शांति प्रसाद भट्ट, राकेश राणा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष मान सिंह रौतेला, देवेंद्र नौडियाल, प्रदीप रमोला, दर्शनी रावत मौजूद थे।

बीमार बच्चों के सैंपल जांच के लिए भेजे लखनऊ

चमोली। मठकोट में बीमार बच्चों की बीमारी का कारण जानने के लिए लिए गए खून के नमूनों की जांच लखनऊ प्रयोगशाला से होगी।

बीते सोमवार को यहां एहतियातन के तौर पर 23 बच्चों के खून के नमूने लिए गए थे। जनवरी अंतिम सप्ताह में गांव में करीब 40 बच्चे बुखार से पीड़ित थे। स्वास्थ्य विभाग ने यहां शिविर लगाकर उनकी जांच की।

शिविर में लोगों ने समस्याएं गिनाई

पिथौरागढ़। जूनियर हाईस्कूल विषाड़ और जीआईसी पीपली में जन–जन की सरकार, जन–जन के द्वार कार्यक्रम का आयोजन हुआ,जिसमें लोगों ने पेयजल, सड़क सहित अन्य समस्याओं को अधिकारियों के सामने उठाया। बुधवार को जूनियर हाईस्कूल विषाड़ व जीआईसी पीपली में जन–जन की सरकार, जन–जन के द्वार शिविर में 200 से अधिक लोगों ने अपनी समस्याएं रखी। राजस्व, ग्राम्य विकास, पंचायत राज, समाज कल्याण, कृषि एवं उद्यान, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, पशुपालन, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, श्रम, शिक्षा, पेयजल सहित अन्य विभागों ने स्टॉल लगाकर लोगों को लाभान्वित किया। शिविर में दायित्वधारी गणेश भंडारी, डीपीआरओ हरीश आर्या,प्रदेश मंत्री दीपिका बोहरा,एसडीएम खुशबू पाण्डेय सहित अन्य आला अधिकारी मौजूद रहे।

जंगल में घास काटने गई महिला पर भालू ने किया हमला, हायर सेंटर रेफर

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिले में जंगली जानवरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। पाबौ ब्लॉक के खंडुली गांव में जंगल में चारा पत्ती लेने गई एक महिला पर भालू ने अचानक हमला कर दिया। घटना में महिला गंभीर रुप से घायल हो गई है। महिला को 108 एंबुलेंस सेवा से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाबौ पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने महिला को गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे एयरलिफ्ट कर हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। वन विभाग क्षेत्र में पांच कैमरा ट्रैप लगाएगा। गश्त के लिए विभागीय टीम तैनात कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह लगभग 11:30 बजे महिला ज्योति देवी पत्नी जगदीश सिंह ओडली गांव के पास जंगल में गांव की महिलाओं के साथ घास काटने गई थी। इसी दौरान भालू ने ज्योति देवी पर अचानक हमला कर दिया। महिलाओं के शोर मचाने पर भालू भाग गया। लेकिन इस दौरान वह भालू के हमले में गंभीर रुप से घायल हो गई। ग्रामीणों ने गंभीर रुप से घायल ज्योति को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाबौ में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रेफर कर दिया। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी पाबौ डा. पंकज सिंह ने बताया कि भालू के हमले में महिला के चेहरे, सिर, पैरों पर गंभीर चोटें आई हैं। बताया कि घायल महिला का प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। ग्राम प्रधान खंडूली ठाकुर सिंह ने कहा कि भालू के हमले के बाद क्षेत्र में दशहत का माहौल है।

उन्होंने वन विभाग से प्रभावित परिवार को समुचित मुआवजा प्रदान किए जाने और क्षेत्र को भालू के आतंक से निजात दिलाए जाने की मांग की है। जिला पंचायत सदस्य भरत रावत ने बताया कि भालू के हमले में ज्योति देवी गंभीर रुप से घायल हो गई हैं। जिन्हें एयरलिफ्ट कर उपचार के लिए एम्स भेजा जाएगा। घायल का बेहतर उपचार सरकार की पहली प्राथमिकता है।

प्रभावित क्षेत्र में लगेगें कैमरा ट्रैप

एसडीओ गढ़वाल वन प्रभाग पौड़ी आयशा बिष्ट ने कहा कि भालू के हमले में महिला के घायल होने के बाद वन विभाग ने क्षेत्र में गश्त के लिए टीम तैनात कर ली है। प्रभावित क्षेत्र में जल्द ही पांच कैमरा ट्रैप लगाए जाएंगे। पीड़िता को जल्द ही मानक के अनुसार मुआवजा प्रदान किया जाएगा।

सड़क कटिंग तो हुई डामर नहीं बिछाया

चमोली। वृद्ध बदरी मंदिर को बदरीनाथ हाईवे से जोड़ने वाली सड़क बजट के अभाव में अधूरी पड़ी है। सड़क कटिंग तो कर दी गई लेकिन डामरीकरण, सुरक्षा दीवार व पार्किंग का कार्य नहीं हो पाया। पंच बदरी में से एक वृद्ध बदरी को बदरीनाथ हाईवे से जोड़ने के लिए वर्ष 2023 में जिला योजना 20 लाख रुपये स्वीकृत किए गए। करीब 350 मीटर लंबी इस सड़क पर लोनिवि ने सड़क कटिंग कर दी। बजट की कमी के कारण न तो सड़क का डामरीकरण किया गया न ही सुरक्षा दीवार और पार्किंग बनाई गई। मंदिर के पुजारी लक्ष्मी प्रसाद त्रिपाठी का कहना है कि यहां दक्षिण भारत सहित देश के विभिन्न जगहों से श्रद्धालु पहुंचते हैं लेकिन अधूरी सड़क के कारण उन्हें खड़ी चढ़ाई चढ़नी पड़ती है। बुजुर्ग श्रद्धालुओं को दिक्कतें झेलनी पड़ती हैं।वहीं लोनिवि के कनिष्ठ अभियंता प्रेम पंत ने बताया कि सड़क कटिंग की गई है। शेष कार्यों के लिए करीब 30 लाख रुपये की जरूरत है।

सीडीएस जनरल अनिल चौहान 21 फरवरी को श्रीनगर आयेंगे

जयन्त प्रतिनिधि।

श्रीनगर गढ़वाल : भारत के द्वितीय चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसम, एसएम, वीएसएम आगामी 21 फरवरी को हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर में आयेंगे। वह विश्वविद्यालय के चौरास परिसर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

सीडीएस जनरल अनिल चौहान के विश्वविद्यालय में आगमन की तैयारियों को लेकर कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया है। जिसमें उक्त कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. महेन्द्र प्रताप सिंह बिष्ट, कुलसचिव अनीस उज जमान, वित्त अधिकारी, प्रो. एन.एस. पंवार, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, प्रो. ओ.पी. गुसांई, चीफ प्रोक्टर, प्रो. दीपक कुमार, उपकुलसचिव, वित्त, डॉ. संजय ध्यानी, इंचार्ज, अधिशासी अभियन्ता, प्रो. बृजेश गांगिल, जन संपर्क अधिकारी आशुतोष बहुगुणा, सहायक कुलसचिव प्रशासन सूर्य प्रकाश बादल समेत विश्वविद्यालय के विभिन्न अधिकारियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिये विश्वविद्यालय ने विभिन्न कमेटियों का गठन कर दिया है।

दुगड्डा—बंगशील सड़क पर सफर करना बना जोखिम भरा

नई टिहरी, जौनपुर विकासखंड का दुगड्डाझ्रबंगशील मोटर मार्ग जर्जर और खस्ताहाल बना है। मरम्मत के अभाव में सड़क पर जगह–जगह गडढे बन गए। खस्ताहाल सड़क पर आवागमन करने पर ग्रामीणों के साथ–साथ पर्यटकों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मार्ग देवलसारी और नागटिब्बा को जोड़ता है। दुगड्डा से बंगशील तक पांच किमी लंबी यह सड़क खस्ताहाल बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से मरम्मत नहीं होने के कारण सड़क पूरी तरह टूट चुकी है। गड्ढों में तब्दील मार्ग पर वाहन हिचकोले खाते हुए चल रहे हैं। धूल उड़ने से आगे–पीछे चलने वाले वाहन तक साफ नजर नहीं आते जिससे हादसों की आशंका बनी रहती है। बारिश होने पर गडढ़ों में जलभराव हो जाता है। वाहनों का आवागमन होते ही राहगीरों पर कीचड़ गिर जाता है। स्थानीय निवासी धनबीर नेगी का कहना है कि यह मार्ग पर्यटन और स्थानीय लोगों की जरूरतों से जुड़ा है। इसके बावजूद वर्षों से सड़क की अनदेखी की जा रही है। पूर्व जेस्ट प्रमुख महिपाल सिंह रावत, अमित बडियारी, प्रवीण असवाल का कहना है कि यदि शीघ्र सड़क की मरम्मत नहीं की गई तो क्षेत्र के लोग आंदोलन शुरू करने को बाध्य होंगे। पूर्व प्रधान लाखी सिंह परमार, विक्रम सिंह परमार, प्रेम सिंह राणा ने भी शासन–प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से तत्काल समस्या का संज्ञान लेने की मांग की। उनका कहना है कि सड़क की बदहाली से वाहन चालकों को रोजाना नुकसान उठाना पड़ रहा है।

दुगड्डा–बंगशील मोटर मार्ग के नवीनीकरण का प्रस्ताव शासन को भेजा जा चुका है।

कैंसर से डरें नहीं, समय पर जांच कराएं

जिला चिकित्सालय में विश्व कैंसर दिवस पर आयोजित हुए जागरूकता कार्यक्रम

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : स्वास्थ्य विभाग पौड़ी द्वारा बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव नाजिस कलीम की अध्यक्षता में विश्व कैंसर दिवस की थीम ह्ययूनाइटेड बाय यूनिकह्व को लेकर जिला चिकित्सालय पौड़ी में जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान चिकित्सकों ने मौजूद लोगों को कैंसर के प्रकार, लक्षण, पहचान, बचाव एवं उपचार के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम में डा. शशांक उनियाल ने मुंह के कैंसर के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यदि मुंह में घाव एक माह बाद भी न भरे, मुंह खोलने में कठिनाई हो, चबाने या निगलने में परेशानी हो, तो यह मुंह के कैंसर के लक्षण हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि मुंह के कैंसर का एक बड़ा कारण धूम्रपान, गुटखा, तंबाकू आदि का सेवन है। ऐसे में लोगों को इनका सेवन छोड़ना चाहिए और समय-समय पर मुंह की जांच कराते रहना चाहिए, ताकि गंभीर बीमारी की शुरुआत में ही पहचान हो सके और समय रहते उपचार शुरू किया जा सके। वहीं डा. अलीशा ने महिलाओं को स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के बारे में जागरूक करते हुए ह्लस्वयं स्तन परीक्षणह्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिलाएं नियमित जांच के माध्यम से प्रारंभिक स्तर पर स्तन कैंसर की संभावना की पहचान कर सकती हैं। इस अवसर पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नाजिस कलीम ने कहा कि पहले कैंसर को लेकर लोगों में भय रहता था और इस विषय पर खुलकर बात नहीं होती थी। लेकिन अब चिकित्सा क्षेत्र में निरंतर शोध जारी है और समय से कैंसर का पता चल जाए तो उपचार संभव है। उन्होंने कहा कि विश्व कैंसर दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों में कैंसर जैसी घातक बीमारी को लेकर जागरूकता बढ़ाना है। कहा कि वर्तमान समय में खानपान, रहन-सहन और दूषित वातावरण के कारण कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है, इसलिए समय-समय पर जांच कराना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जागरूकता अभियानों की सफलता के लिए जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर सीएमएस जिला चिकित्सालय पौड़ी एल.डी. सेमवाल, गैर संचारी रोग परामर्शदाता श्वेता गुंसाई, सामाजिक कार्यकर्ता अरुणा उनियाल, विनोद, राखी, अमीषा, विधि, शकुन्तला नेगी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

100 दिवसीय एनसीडी अभियान का शुरू

कार्यक्रम में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. पारुल गोयल ने कहा कि कैंसर देश ही नहीं बल्कि विश्व स्तर पर बड़ी समस्या बन चुका है। उन्होंने बताया कि 30 से 69 वर्ष आयु वर्ग के लोगों में कैंसर का खतरा अधिक रहता है। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत चलाए जा रहे 100 दिवसीय गैर संचारी रोग रोकथाम एवं बचाव अभियान का शुभारंभ किया गया है, जो आज से 14 मई 2026 तक चलेगा।

लंबित कार्यों में तेजी लाकर योजनाओं को समय पर पूरा करें अधिकारी : डीएम

जिला योजना कार्यों में गुणवत्ता व समयबद्धता पर जोर

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने कलक्ट्रेट सभागार में जिला योजना के अंतर्गत अपेक्षाकृत कम प्रगति वाले 17 विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित कर विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि 15 फरवरी तक कार्यों में संतोषजनक प्रगति सुनिश्चित की जाए, अन्यथा संबंधित अधिकारियों के माह फरवरी का वेतन आहरित नहीं किया जाएगा।

बुधवार को आयोजित जिला योजना प्रगति समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिला योजना के सभी कार्य गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समन्वय के साथ समयबद्ध रूप से पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में जवाबदेही एवं नियमित मॉनिटरिंग अत्यंत आवश्यक है, जिससे जनहित से जुड़े कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरे हो सकें। कोषागार स्तर पर किसी भी बीजक का भुगतान लंबित न रहे, इसके लिए उन्होंने मुख्य कोषाधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को निरंतर अनुवर्ती कार्रवाई (फॉलोअप) करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि वित्तीय प्रगति और भौतिक प्रगति में संतुलन बनाए रखते हुए कार्यों को गति प्रदान की जाए। जिलाधिकारी ने जल निगम के अधिकारियों को चालू वित्तीय वर्ष में जिला योजना से संचालित निर्माण कार्यों की भौतिक प्रगति से संबंधित अद्यतन फोटोग्राफ एवं मापन पंजिका (एम.बी.) 15 फरवरी तक उपलब्ध कराने को कहा, ताकि कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति का प्रभावी मूल्यांकन किया जा सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी राम सलोने, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डॉ. विशाल शर्मा, अधिशासी अभियंता लोनिवि निर्भय सिंह व रीना नेगी, अधिशासी अभियंता जल निगम नवनीत कटारिया, अभिषेक मिश्रा व अजय बेलवाल, जिला समाज कल्याण अधिकारी रोहित सिंह, एसडीओ वन विभाग आईशा बिष्ट, एडीपीआरओ प्रदीप सुदरियाल सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

धामी सरकार ने प्रति माह औसत 518 युवाओं को दी सरकारी नौकरी

साढ़े चार साल के कार्यकाल में 28 हजार से अधिक युवाओं को मिली सरकारी नौकरी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साढ़े चार साल के कार्यकाल में अब तक साढ़े 28 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिल चुकी है। इस तरह प्रति माह औसत 518 युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान की गई। सख्त नकल विरोधी कानून के बाद भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता कायम होने से अब युवाओं का चयन एक से अधिक विभागों में हो रहा है। वहीं सरकार ने युवाओं को स्किल डेवलमेंपमेंट के जरिए विदेश में तक रोजगार देने की व्यवस्था की। धामी सरकार के कार्यकाल में युवा वर्ग सबसे बड़ा लाभार्थी बनकर उभरा है। 04 जुलाई 2021 को कार्यभार ग्रहण करने के बाद, धामी सरकार ने युवाओं को रोजगार और स्किल प्रदान करने पर विशेष तौर पर फोकस किया। पहले और दूसरे कार्यकाल को मिलाकर अब मुख्यमंत्री का कार्यकाल 54 महीने का हो चुका है। इस दौरान लोक सेवा आयोग, उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, चिकित्सा सेवा चयन आयोग के जरिए साढ़े 28 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवाओं में स्थायी रोजगार प्रदान किया गया। यानि प्रति माह 518 युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान की गई। अगले एक साल में भी विभिन्न आयोगों के जरिए, रिकॉर्ड संख्या में भर्तियां सम्पन्न की जाएंगी। इस तरह यह आंकड़ा बढ़ना तय है। सरकारी भर्तियों में सक्रिय नकल माफिया के कुचक्र को तोड़ने के लिए पुष्कर सिंह धामी सरकार ने फरवरी 2023 से उत्तराखंड प्रतियोगी परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम व निवारण के उपाय), कानून लागू कर प्रदेश और देश को एक मॉडल नकल विरोधी कानून दिया। इसके बाद से उत्तराखंड में भर्ती परीक्षाएं पारदर्शी तरीके से समय पर बिना बाधा के सम्पन्न हो रही हैं। पहले भर्तियों में औसतन दो से तीन साल का समय लग रहा था, अब औसतन एक साल में ही भर्ती प्रक्रिया पूरी हो जा रही है। साथ ही प्रतिभाशाली युवा एक से अधिक परीक्षा में चयनित हो रहे हैं।

37 युवाओं को विदेश में मिला रोजगार

मौजूदा सरकार ने साल 9 नवंबर 2022 से मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना शुरु की है, इसके लिए युवाओं को आतिथ्य, नर्सिंग, ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करते हुए जर्मनी और जापान में रोजगार प्रदान किया जा रहा है।

इंस्पायर अवार्ड मानक की दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रतियोगिता शुरू

अल्मोड़ा। इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के अंतर्गत 4 से 5 फरवरी तक दो दिवसीय जनपद स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अल्मोड़ा में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में वर्ष 2024झ25 में चयनित 135 छात्र–छात्राओं के साथ ही वर्ष 2023झ24 में जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग नहीं कर पाए 40 छात्र–छात्राएं अपने मार्गदर्शक शिक्षकों के साथ भाग ले रहे हैं। बुधवार को कार्यक्रम का उद्घाटन नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के प्रोजेक्ट एसोसिएट सुनील भाष्कर ने किया। उन्होंने प्रतिभागी छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया और कहा कि इंस्पायर अवार्ड के माध्यम से बाल वैज्ञानिकों में सोच और अन्वेषण की प्रवृत्ति विकसित हो रही है, जिससे वे नई खोजों की ओर अग्रसर हो रहे हैं। जिला समन्वयक इंस्पायर अवार्ड विनोद कुमार राठौर ने कहा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ–साथ पाठ्य सहगामी गतिविधियों में भागीदारी से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है और व्यक्तित्व का विकास होता है। उन्होंने बताया कि विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों से प्राप्त विचारों में से पांच श्रेष्ठ विचार इंस्पायर अवार्ड मानक पोर्टल पर अपलोड किए जाते हैं। इसके बाद भारत सरकार द्वारा विभिन्न स्तरों पर परीक्षण और मूल्यांकन के पश्चात चयनित छात्र–छात्राओं के खातों में दस हजार रुपये की धनराशि अंतरित की जाती है। इसी धनराशि से विद्यार्थी अपने विचारों को मूर्त रूप देकर जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदर्शित करते हैं।

जिला स्तर पर चयनित दस प्रतिशत विद्यार्थी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जनपद अल्मोड़ा का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन के सुनील भाष्कर, प्रभाकर जोशी और पंकज जोशी द्वारा मूल्यांकन किया जा रहा है।

दन्या पुलिस ने अवैध शराब के साथ युवक को किया गिरफ्तार

अल्मोड़ा। थाना दन्या पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से बड़ी मात्रा में अवैध देशी शराब बरामद की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को थानाध्यक्ष दन्या दिनेश नाथ महंत के नेतृत्व में पुलिस टीम धौलादेवी बाजार क्षेत्र में चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान ग्राम काफली, दन्या निवासी 23 वर्षीय पंकज गैड़ा पुत्र उमेद सिंह गैड़ा को 88 पाउच अवैध देशी मसालेदार माल्टा मार्का शराब के साथ पकड़ा गया। आरोपी के खिलाफ थाना दन्या में आबकारी अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की गई है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार युवक का पूर्व में भी आबकारी अधिनियम के तहत आपराधिक इतिहास रहा है। आरोपी के खिलाफ वर्ष 2024 में भी अवैध शराब से जुड़े मामले में कार्रवाई हो चुकी है। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक कमित जोशी प्रभारी चौकी जागेश्वर, कांस्टेबल जगत सिंह और कांस्टेबल प्रमोद कुमार शामिल रहे।

बिलकोट स्कूल में घुसा हाथी, मचाया उत्पात

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जनपद पौड़ी गढ़वाल के नैनीडांडा ब्लॉक में जंगली जानवरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीती मंगलवार रात को हाथी ने राजकीय प्राथमिक एवं राजकीय उ0प्रा0 विघालय बिलकोट में उत्पात मचाया। हाथी ने पेयजल लाइन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया।

सामाजिक कार्यकर्ता राजेश प्रकाश थपलियाल ने बताया कि बीती रात हाथी ने विद्यालय में घुस गया। इस दौरान हाथी ने पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त कर दी। जिससे पेयजल आपूर्ति बाधित हो गई। पेयजल आपूर्ति बाधित होने से छात्र और ग्रामीण परेशान है। उन्होंने बताया कि पिछले कई दिनों से विद्यालय के आसपास बाघ की आवाजाही बनी हुई है। जिससे लोग दहशत में है। कहा कि सबसे ज्यादा खतरा स्कूली बच्चों का बना हुआ है। कहा कि कुछ दिन पहले बाघ ने बकरी और गाय को निवाला बना दिया था। उन्होंने कहा कि वन विभाग को क्षेत्र में सुरक्षा के इंतजाम करने चाहिए, जिससे कोई अनहोनी घटना न हो सके।

अपर सचिव पंचायतीराज ने सुनी स्थानीय लोगों की समस्याएं

डाडामंडी में लगा बहुउद्देश्यीय शिविर, 45 शिकायतें दर्ज

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के तहत विकासखंड द्वारीखाल की न्याय पंचायत सिंराई का बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन डाडामंडी में किया गया। शिविर में कुल 45 शिकायतें दर्ज की गयीं, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर लोगों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही पात्र 135 लाभार्थियों को सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी। वहीं शिविर में 522 स्थानीय लोगों ने प्रतिभाग किया।

उपाध्यक्ष सिंचाई सलाहकार समिति ऋषि कंडवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशन में चल रहा जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में जनसमस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बन रहा है। इस अभियान के माध्यम से प्रशासन और विभागीय अधिकारी सीधे जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुन रहे हैं और मौके पर ही निस्तारण सुनिश्चित कर रहे हैं। शिविर में अपर सचिव पंचायतीराज श्याम सिंह ने प्रतिभाग करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा हर न्याय पंचायत स्तर पर बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ उनके ही द्वार पर मिल सके।

उन्होंने कहा कि सरकार का यह उद्देश्य है कि जनता को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए जिला या तहसील मुख्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिविरों में पहुंचकर सरकारी योजनाओं का लाभ लें। वहीं अपर जिलाधिकारी अनिल सिंह गर्ब्याल ने शिविर में मौजूद अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शिविर में दर्ज हुई शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन मामलों का समाधान मौके पर संभव है, उन्हें तुरंत निपटाया जाए, ताकि ग्रामीणों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने अधिकारियों को जनहित से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। शिविर में ब्लॉक प्रमुख बीना राणा, जिला पंचायत सदस्य महेंद्र सिंह राणा, उपजिलाधिकारी कोटद्वार संदीप कुमार, जिला पंचायतीराज अधिकारी जितेंद्र कुमार, अपर मुख्यधिकारी जिला पंचायत भावना रावत, प्रबंधक उद्योग उपासना सिंह, खंड विकास अधिकारी जयकृत बिष्ट, उद्यान सहायक गणेश सिंह, ग्राम विकास अधिकारी सुमित सिंह, पूजा रावत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

समय पर पहचान हो तो कैंसर से बचाव संभव

रुद्रप्रयाग। विश्व कैंसर दिवस के मौके पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की ओर से जनपद के 51 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में गोष्ठियों का आयोजन किया गया। वहीं मुख्य कार्यक्रम आयुष्मान आरोग्य मंदिर नगरासू में हुआ। गोष्ठी में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पायल सिंह भी उपस्थित रहीं। उन्होंने कैंसर और स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न कानूनी पहलुओं के बारे में जानकारी दी। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सीमा टेकचंदानी ने कहा कि कैंसर खतरनाक बीमारी है यदि समय पर उसकी पहचान कर उपचार शुरू किया जाए तो कैंसर से बचाव संभव है। जनपद में 51 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में सीएचओ के माध्यम से 30 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के मुंह के कैंसर, स्तन के कैंसर व गर्भाशय के कैंसर की निःशुल्क स्क्रीनिंग की जा रही है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com